RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

# लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 119 ● भिलाई, बुधवार 12 नवम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

## संक्षिप्त समाचार

### बलिया में पुलिस मुठभेड़ में हत्या का आरोपी घायल

**बलिया।** उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के मनियार थाना क्षेत्र के घोघाचट्टी-बड़गांव मार्ग पर रविवार देर रात चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में एक हत्या का आरोपी घायल हो गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जब पुलिस ने आरोपी को रोकने का प्रयास किया तो उसने पुलिस टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। एक गोली आरोपी के पैर में लगी और वह घायल हो गया। यह घटना रविवार देर रात उस समय हुई जब पुलिस की एक टीम इलाके में नियमित चेकिंग कर रही थी। तेज गति से आ रही एक मोटरसाइकिल को देखकर पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया। लेकिन, रुकने के बजाय, मोटरसाइकिल सवार ने भागने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने उसका कुछ देर तक पीछा किया। जैसे ही पुलिस ने उसे घेरा, उसने कथित तौर पर पुलिस पर गोलियां चला दीं। आत्मरक्षा में, पुलिस टीम ने जवाबी गोलीबारी की, जिसमें संदिग्ध घायल हो गया। पूछताछ करने पर, घायल व्यक्ति ने अपनी पहचान उसी इलाके के निवासी अभिनंदन उर्फ अभिनंदन राजभर के रूप में बताई।

### पंजाब यूनिवर्सिटी में सीनेट चुनाव की मांग को लेकर छात्रों का प्रदर्शन

**चंडीगढ़।** चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी में सीनेट चुनाव की तारीख घोषित करने की मांग को लेकर विद्यार्थी सोमवार को प्रदर्शन कर रहे हैं। यहां 91 सीनेट चुने जाने हैं। इस दौरान विद्यार्थी और पुलिस के बीच बहस भी हो गयी। पुलिस के इंतजाम देखकर विद्यार्थियों ने समर्थकों से अपील की कि पुलिस उन्हें जहां रोकें, वहीं बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दें। पुलिस ने एक नंबर द्वार को बंद कर दिया है और दो तथा तीन नंबर के द्वार से भी कड़ी जांच के बाद ही जाने दिया जा रहा है। पुलिस द्वारा दो नंबर द्वार से कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेने की सूचना के बाद विद्यार्थी भड़क उठे। वह द्वार खोलकर यूनिवर्सिटी में घुस गये हैं। इस दौरान पुलिस और विद्यार्थियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। रविवार रात भी इसको लेकर विद्यार्थियों ने हंगामा किया।

ऑटोमैटिक हथियार बरामद

# बीजापुर में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में छह नक्सली ढेर हुए

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में छह नक्सलियों को मार गिराया है. पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुरक्षाबलों को नक्सल रोधी इस कार्रवाई में मिली सफलता पर बधाई दी है. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में छह नक्सलियों को मार गिराया है तथा मुठभेड़ स्थल से हथियार, विस्फोटक और अन्य सामान बरामद किया है. उन्होंने बताया कि जिले के राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी मिलने के बाद जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) बीजापुर, डीआरजी दंतेवाड़ा और विशेष कार्यबल (एसटीएफ) के संयुक्त दल को नक्सल रोधी अभियान में रवाना किया गया था. बीजापुर जिले के पुलिस अधीक्षक डॉक्टर जितेन्द्र यादव ने बताया कि इस अभियान के दौरान आज सुबह 10 बजे से संयुक्त दल और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है. यादव ने बताया कि अब तक अभियान के दौरान मुठभेड़ स्थल से छह माओवादियों का शव, इंसास राइफल, स्टेनगन, .303 राइफल सहित अन्य हथियार, विस्फोटक सामान और अन्य माओवादी सामान बरामद किया गया है. बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि आज के अभियान का परिणाम सुरक्षा बलों के लिए एक निर्णायक और महत्वपूर्ण बढ़त है. उन्होंने बताया कि यह

सफलता ऐसे समय में मिली है जब माओवादी संगठन नेतृत्वविहीन, दिशाहीन और मनोबल हीन स्थिति में अपने कुछ बचे हुए ठिकानों में सिमटकर रह गया है. अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और राज्य पुलिस के अतिरिक्त बल को आसपास के क्षेत्रों में भेजा गया है, जिससे अन्य फरार माओवादियों की घेराबंदी की जा सके. उन्होंने बताया कि चूंकि अभियान अभी जारी है, इसलिए मुठभेड़ के स्थान, अभियान में शामिल सुरक्षाबलों की संख्या तथा अन्य संवेदनशील जानकारी इस समय साझा नहीं की जा सकती, ताकि अभियान में लगे जवानों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य घटना में सुरक्षाबलों ने तारलागुड़ा क्षेत्र के अंतर्गत अन्नाराम गांव के जंगल में हुई मुठभेड़ के बाद एक घायल माओवादी को गिरफ्तार कर लिया. उन्होंने बताया कि घायल माओवादी का उपचार और पूछताछ जारी है. राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री साय ने बीजापुर में सुरक्षाबलों की नक्सल रोधी कार्रवाई में मिली बड़ी सफलता पर बधाई दी है. मुख्यमंत्री ने कहा, छत्तीसगढ़ पुलिस की डीआरजी और एसटीएफ के संयुक्त दल द्वारा नक्सलियों के साथ जारी मुठभेड़ में अब तक छह नक्सली मारे जा चुके हैं.

### लाल आतंक के विरुद्ध जारी है अभियान, खत्म हो रहा नक्सलवाद-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बीजापुर में सुरक्षाबलों की नक्सल विरोधी कार्रवाई में मिली बड़ी सफलता पर बधाई दी है. मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस की डीआरजी और एसटीएफकी संयुक्त टीम द्वारा नक्सलियों के साथ चल रही मुठभेड़ में अब तक छह नक्सली न्यूट्रलाइज किए गए हैं. यह लाल आतंक के समूल नाश की दिशा में सुरक्षाबलों के जवानों की बड़ी सफलता है. मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के नेतृत्व में 31 मार्च 2026 तक देश और प्रदेश से नक्सलवाद को समाप्त करने का जो संकल्प लिया गया है, उसकी दिशा में यह एक और निर्णायक कदम है. छत्तीसगढ़ सरकार इस मिशन को पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा रही है.

प. बंगाल : स्कूल भर्ती घोटाले मामला

# पूर्व शिक्षा मंत्री तीन साल बाद जमानत पर रिहा हुए

कोलकाता/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) भर्ती घोटाले के प्रमुख आरोपियों में से एक, राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को मंगलवार को जमानत पर रिहा कर दिया गया. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें 23 जुलाई, 2022 को गिरफ्तार किया था. तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता को बाद में राज्य स्कूल सेवा आयोग द्वारा स्कूलों में कक्षा 9-10, 11-12 के शिक्षकों और वर्ष 2016 के लिए आयोग के पैनल से ग्रुप सी और डी के गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती में

अनियमितताओं से संबंधित कई मामलों में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा गिरफ्तार किया गया था. चटर्जी, जो कथित तौर पर गुर्दे और हृदय संबंधी कई बीमारियों के कारण पिछले 203 दिनों से दक्षिण-पूर्व कोलकाता के मुकुंदपुर इलाके के एक निजी अस्पताल में भर्ती थे, को जमानत बांड भरने के बाद न्यायिक हिरासत से रिहा कर दिया गया. ग्रुप सी कर्मचारियों की भर्ती में कथित भ्रष्टाचार से संबंधित एक मामले में सोमवार को एक विशेष सीबीआई अदालत के समक्ष गवाहों की पूछताछ पूरी होने के बाद उनकी रिहाई हुई. अंतिम (आठवें) गवाह की गवाही दर्ज करने के बाद सीबीआई अदालत ने जमानत याचिका स्वीकार कर ली और अलीपुर अदालत के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को आदेश भेज दिया, जिसने रिहाई आदेश को प्रेसीडेंसी जेल के अधिकारियों को अग्रेषित कर दिया.

### लालू परिवार के खिलाफ लैंड फॉर जॉब केस में 4 दिसंबर को होगी सुनवाई

**नई दिल्ली।** बिहार विधानसभा चुनावों के बीच लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्यों को बड़ी राहत मिली है। जमीन के बदले नौकरी (लैंड फॉर जॉब) से जुड़े सीबीआई मामले में लालू परिवार के खिलाफ बिहार चुनाव के नतीजों के बाद फैसला दिया जाएगा। इस मामले में लालू प्रसाद यादव और पत्नी राबड़ी देवी के अलावा बेटे तेजस्वी यादव व तेज प्रताप यादव, बेटी मीसा भारती व हेमा यादव और अन्य के खिलाफ आरोप तय करने पर सोमवार को फैसला आना था। हालांकि, सोमवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला सुनाने के लिए 4 दिसंबर की तारीख तय की। इस मामले में सीबीआई ने लालू यादव और उनके परिवार के सदस्यों समेत 100 से अधिक लोगों को आरोपी बनाया है।

निठारी हत्याकांड

# उच्चतम न्यायालय ने सुरेंद्र कोली को बरी कर दिया..

नयी दिल्ली/ एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को निठारी हत्याकांड के एक मामले में सुरेन्द्र कोली की दोषसिद्धि को चुनौती देने वाली उसकी सुधारात्मक याचिका को स्वीकार करते हुए उसे बरी कर दिया, जिससे उसकी रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। कोली निठारी हत्याकांड के अन्य मामलों में पहले ही बरी हो चुका है। निठारी हत्याकांड का खुलासा 29 दिसंबर 2006 को नोएडा के निठारी में व्यवसायी मोनिंदर सिह पंढेर के

घर के पीछे एक नाले से आठ बच्चों के कंकाल मिलने के बाद हुआ था। कोली उस समय पंढेर की कोठी में घरेलू सहायक के तौर पर काम कर रहा था। यह आदेश भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी आर गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने पारित किया, जिन्होंने कोली की याचिका पर खुली अदालत में सुनवाई की थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने आदेश सुनाते हुए कहा, उपर्युक्त कारणों से सुधारात्मक याचिका स्वीकार की जाती है। शीर्ष अदालत ने मामले में कोली को बरी कर दिया तथा उसे पहले सुनायी गयी सजा और जुर्माना रद्द कर दिया। पीठ ने कहा, यदि किसी अन्य मामले या कार्यवाही में याचिकाकर्ता की आवश्यकता न हो तो उसे तत्काल रिहा कर दिया जाएगा।

सुप्रिया श्रीनेत का सरकार पर निशाना

# देश को लग रहा है कि वह मजबूत हाथों में नहीं

**नई दिल्ली।** कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने मंगलवार को हालिया सुरक्षा घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि फरीदाबाद में विस्फोटक सामग्री उसी दिन बरामद की गई जिस दिन लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार विस्फोट हुआ था। उन्होंने सवाल किया कि क्या सरकार यह निर्धारित कर सकती है कि यह आतंकवादी घटना थी या नहीं। श्रीनेत ने कहा कि यह बहुत चिंता का विषय है। यह उसी दिन हुआ जिस दिन फरीदाबाद में विस्फोटक सामग्री बरामद हुई थी। सरकार यह निर्धारित नहीं कर सकती कि यह आतंकवादी घटना थी या नहीं। ऐसे

समय में जवाबदेही और जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। ऐसे कठिन समय में प्रधानमंत्री मोदी भूटान गए हैं। उन्होंने सरकार की खुफ़िया जानकारी पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या सरकार के पास इस घटना के बारे में कोई खुफ़िया जानकारी नहीं थी ?

### हिमाचल सरकार ने लोकतंत्र प्रहरी सम्मान अधिनियम को निरस्त करने की अधिसूचना जारी की

**शिमला।** हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने पिछली भाजपा सरकार द्वारा लाए गए उस विधेयक को निरस्त कर दिया है, जिसके जरिए आपातकाल के दौरान जेलों में बंद जनसंघ से जुड़े कई राजनीतिक नेताओं को लाभ पहुंचाया गया था। राज्य सरकार ने लोकतंत्र प्रहरी सम्मान अधिनियम, 2021 को निरस्त करने के लिए एक अधिसूचना जारी की है। यह पेंशन योजना पिछली जयराम ठाकुर के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई थी। हिमाचल प्रदेश लोकतंत्र प्रहरी सम्मान अधिनियम, 2023 के माध्यम से यह एक अप्रैल, 2023 से प्रभावी है।

बिहार का रण समाप्त

# आजादी के बाद पहली बार 68.55 फीसदी मतदान पहले चरण का रिकॉर्ड भी टूटा; कौन रहा आगे....

**पटना।** बिहार का 2025 का विधानसभा चुनाव अपने सबसे निर्णायक मोड़ पर पहुँच गया है। आज, 11 नवंबर को दूसरे और अंतिम चरण का मतदान संपन्न होने के साथ, राज्य का लंबा और गरमागरम प्रचार अभियान औपचारिक रूप से उत्सुकता में बदल गया है। 20 जिलों के 122 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं ने दिन भर अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिससे एक बेहद रोमांचक मुकाबले का समापन हुआ जिसमें कई क्षेत्रों में तीखी रैलियाँ, तीखे राजनीतिक संदेश और भारी मतदान हुआ। बिहार चुनाव के दूसरे चरण का मतदान

समाप्त हो गया, और अब सबकी नज़र एग्ज़िट पोल पर है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में मंगलवार शाम 5 बजे तक 67.14 प्रतिशत मतदान हुआ। सबसे अधिक मतदान किशनगंज जिले में 76.26 प्रतिशत दर्ज किया गया, इसके बाद कटिहार में 75.23 प्रतिशत, पूर्णिया में 73.79 प्रतिशत, सुपौल में 70.69 प्रतिशत, पूर्वी चंपारण में 69.02 प्रतिशत और बांका में 68.91 प्रतिशत मतदान हुआ। चुनाव आयोग के वोटर टर्नआउट एप्लिकेशन के अनुसार, नवादा में शाम 5 बजे तक 57.11 प्रतिशत मतदान हुआ। अररिया में 67.79 प्रतिशत, अरवल में 63.06 प्रतिशत, औरंगाबाद में 64.48 प्रतिशत, भागलपुर में 66.03 प्रतिशत, जहानाबाद में 64.36 प्रतिशत, कैमूर (भभुआ) में 67.22 प्रतिशत, पश्चिम चंपारण में 69.02 प्रतिशत और गया में 67.50 प्रतिशत मतदान हुआ। जमुई में 67.81 प्रतिशत, रोहतास में 60.09 प्रतिशत, शिवहर में 67.31 प्रतिशत, सीतामढ़ी में 65.28 प्रतिशत और मधुबनी में 61.79 प्रतिशत मतदान हुआ।

केंद्रीय मंत्री ने की उच्च स्तरीय बैठक

# दिल्ली धमाके के दोषियों को नहीं बख्शेंगे-शाह

नयी दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे दिल्ली विस्फोट मामले में संलिप्त प्रत्येक दोषी की तलाश करें. इस धमाके में 12 लोगों की मौत हो गई है. उन्होंने कहा कि इस विस्फोट में संलिप्त सभी लोगों को सुरक्षा एजेंसियों के प्रकोप का सामना करना पड़ेगा. शाह ने यह निर्देश राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के नजदीक सोमवार शाम हुए विस्फोट के मद्देनजर आयोजित दो सुरक्षा समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता करने के बाद दिये.केंद्रीय गृहमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली कार विस्फोट पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की. उन्हें इस घटना के पीछे के प्रत्येक अपराधी को पकड़ने का निर्देश दिया. इस कृत्य में शामिल प्रत्येक व्यक्ति को हमारी एजेंसियों के प्रकोप का सामना करना पड़ेगा.सूत्रों ने बताया कि पहली बैठक में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफ़िया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के महानिदेशक सदानंद वसंत दाते शामिल हुए. इस बैठक में जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात भी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए. उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान शीर्ष अधिकारियों ने विस्फोट के बाद की स्थिति पर विस्तृत प्रस्तुतियां दीं. सूत्रों ने बताया कि दोपहर की सुरक्षा समीक्षा बैठक में भी लगभग यही अधिकारी शामिल हुए. गृह मंत्रालय ने विस्फोट की जांच एनआईए को भी सौंप दी

है. यह स्पष्ट संकेत है कि इस विस्फोट को सरकार ने आतंकवादी कृत्य माना है, क्योंकि एनआईए को केवल आतंकवादी मामलों की जांच करने का अधिकार है. इस धमाके में मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है. गृह मंत्री ने कहा है कि शीर्ष जांच एजेंसियां विस्फोट की जांच कर रही हैं और वे घटना की तह तक जाएंगी. अधिकारियों ने बताया कि सोमवार शाम लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक ट्रैफिक सिग्नल पर धीमी गति से चल रही एक कार में धमाका हुआ था.

### कार चलाने वाले संदिग्ध की मां को डीएनए जांच के लिए पुलवामा बुलाया गया

पुलिस ने लाल किले के पास विस्फोट में इस्तेमाल कार चलाने के संदिग्ध व्यक्ति की मां को मंगलवार को डीएनए जांच के लिए जम्मू कश्मीर के पुलवामा जिले में बुलाया। यहां अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया, हमने विस्फोट स्थल पर मिले अंगों से मिलान करने के लिए संदिग्ध की मां को डीएनए नमूने लेने के लिए बुलाया है। उन्होंने बताया कि डॉ. उमर नबी कथित तौर पर उस हुंदै आई20 कार को चला रहा था जिसका इस्तेमाल सोमवार को दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पार्किंग क्षेत्र के पास हुए विस्फोट में किया गया था, जिसमें कम से कम 12 लोग मारे गए थे। वह पुलवामा के कोइल गांव का रहने वाला था। संदिग्ध के दो भाई अपनी मां के साथ अस्पताल पहुंचे।

दिल्ली विस्फोट पर गहलोत की मांग

# गहन जांच हो,सच्चाई सामने आना ज़रूरी..

**नई दिल्ली।** दिल्ली विस्फोट की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए, कांग्रेस नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को इसकी गहन जाँच की माँग की और ज़ोर देकर कहा कि सच्चाई जनता के सामने आनी चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए, गहलोत ने कहा कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। इसकी गहन जाँच होनी चाहिए। यह ज़रूरी है कि सच्चाई जनता के सामने आए। उनकी यह टिप्पणी सोमवार शाम राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के पास एक हुंडई i20 कार में हुए विस्फोट के एक दिन बाद आई है,

जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। इससे पहले आज, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली में हुए विस्फोट पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जिसमें कम से कम आठ लोग मारे गए।

# पंडरिया से गूंजी किसान समृद्धि की गूंज : भावना बोहरा ने किया गन्ना खरीदी सत्र व शेयर वितरण का शुभारंभ

### प्रमुख घोषणाएँ

सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा स्थापना, श्री हनुमान मंदिर निर्माण, गन्ना खरीदी एवं पेराई सत्र शुभारंभ, शेयर प्रमाण पत्र वितरण।

**कवर्धा।** विधायक भावना बोहरा ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, पंडरिया में केन केरियर और भगवान सत्यनारायण जी की पूजा-अर्चना कर गन्ना खरीदी एवं पेराई सत्र 2025-26 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने शेयर धारक किसानों को शेयर प्रमाण पत्र वितरण किया और कारखाना परिसर में सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा तथा हनुमान मंदिर स्थापना की घोषणा की। विधायक बोहरा ने कहा कि यह कारखाना लौह पुरुष सरदार पटेल के नाम से संचालित है, इसलिए उनके सम्मान और प्रेरणा को सदैव जीवित रखने के लिए प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। उन्होंने गन्ना खरीदी सत्र की शुरुआत पर किसानों को बधाई देते हुए कहा कि किसानों के परिश्रम और उनकी मेहनत को सम्मान देने का दिन है। इस अवसर पर विधायक बोहरा ने कहा कि किसानों का सम्मान और सशक्तिकरण भाजपा सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा आप सभी किसान भाई-बहन हमारे राष्ट्र-निर्माता हैं। आपके खेतों की मिठास करोड़ों भारतीयों के जीवन में मिठास घोलती है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि गन्ना खरीदी और पेराई प्रक्रिया में किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। इसके लिए कारखाना प्रबंधन द्वारा पूरी व्यवस्था की गई है ताकि किसान सुविधाजनक तरीके से अपनी उपज बेच सकें। उन्होंने बताया कि इस सत्र से कारखाना के 12,000 से अधिक शेयर धारक किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा और पारदर्शी व्यवस्था से अन्य किसान भी प्रेरित होंगे। भावना बोहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में डबल इंजन की भाजपा सरकार किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सतत कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि दीपावली से पहले किसानों को बकाया राशि, प्रोत्साहन राशि और रिकवरी राशि का भुगतान कर सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता निभाई है। विधायक ने हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा लिए गए निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने 2025-26 के गन्ना सत्र के लिए 355 प्रति क्विंटल का समर्थन मूल्य तय किया है, जो किसानों के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने बताया कि सरकार ड्रोन दीदी और लखपति दीदी जैसी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण और किसान महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बना रही है। विधायक बोहरा ने आगे कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड और कृषि उपकरणों पर जीएसटी दरों में कमी जैसी योजनाएं किसानों की उत्पादन क्षमता और आय दोनों में वृद्धि कर रही हैं। उन्होंने कहा राज्य की भाजपा सरकार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में भूमिहीन किसानों को 10,000 की आर्थिक सहायता, किसान समृद्धि योजना और मोदी की गारंटी के अनुरूप हर किसान के हित में लगातार कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ में किसानों को 3100 प्रति क्विंटल की दर से धान का मूल्य दिया जा रहा है, जिससे उनकी आय में ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। भावना बोहरा ने कहा कि सरकार गठन के दस दिनों के भीतर दो वर्ष की बकाया बोनस राशि का भुगतान कर किसानों के भरोसे को मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा शुरू की गई किसान क्रेडिट कार्ड योजना ने खेती को लाभकारी व्यवसाय में बदल दिया। उन्होंने कहा किसानों को शून्य ब्याज दर पर ऋण सुविधा मिल रही है, जिससे खेती आसान और स्थायी बनी है।

# भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन की जयंती समारोह में पहुंचे पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा

**बेमेतरा।** जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा छत्तीसगढ़ कलार समाज के क्षेत्रीय स्तर भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जी की जयंती समारोह 2025 में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम बीज भारत में आयोजित जयंती समारोह में उपस्थित हुए। इस दौरान पूर्व विधायक आशीष साधना ने समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के विकास और छत्तीसगढ़ के विकास में कलार समाज का महत्वपूर्ण योगदान है। भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन की कृपा हम सभी पर बनी रहे। समाज को आगे बढ़ाने के लिए पूर्व विधायक ने शिक्षा को बढ़ावा देने की बात कही। साथ ही साथ समाज के द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर भी अपना हर्ष जाहिर करते हुए कहा कि प्रत्येक समाज तभी विकास कर पता है, जब वह एकजुट होकर एक दूसरे को मदद करता है आगे बढ़ाने में सहायता करते हैं और छत्तीसगढ़ कलार समाज समाज को आगे बढ़ाने की दिशा में प्रयत्नशील है। पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने इस अवसर पर सभी सामाजिक जनों को भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जी की जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करें तथा समाज के द्वारा उन्हें आमंत्रित किए जाने पर समाज के प्रति आभार व्यक्त किया, जो उन्होंने जयंती समारोह में आमंत्रित किया। इस अवसर पर सुरेश सीहोर अध्यक्ष नगर पंचायत देवकर शशि प्रभा गायकवाड जिला पंचायत सदस्य बेमेतरा वीरेंद्र जायसवाल जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ कलार समाज बेमेतरा बिंदिया वीरेंद्र जायसवाल जिला अध्यक्ष महिला मंच छत्तीसगढ़ कलार समाज बेमेतरा शिवजहरी सिंह जिला अध्यक्ष युवा मंच छत्तीसगढ़ क्लास समाज बेमेतरा मिथिलेश वर्मा उपाध्यक्ष जनपद पंचायत बेमेतरा करुणा महानंद यादव पूर्व सदस्य जनपद पंचायत बेमेतरा दुर्गेश नंदिनी सदस्य जनपद पंचायत बेमेतरा बलराम सिंन्हा क्षेत्र अधिकारी छत्तीसगढ़ कलार समाज बेमेतरा अशोक जायसवाल मंडलेश्वर कलार समाज तहसील इकाई बेमेतरा अजय सिंह मंडलेश्वर कलार समाज तहसील इकाई नवागढ़ ईश्वर सिंह मंडलेश्वर कलार समाज तहसील इकाई बेरला लोकनाथ सिंह मंडलेश्वर कलार समाज तहसील इकाई थान खमरिया टीकाराम सिंन्हा मंडलेश्वर कलार समाज तहसील इकाई साजा ललित सिंन्हा संरक्षक कलार समाज तहसील इकाई बेमेतरा सोम प्रकाश सिंन्हा सचिव कलार समाज तहसील इकाई बेमेतरा केसरी नंदन सिंन्हा कोषाध्यक्ष कलार समाज तहसील इकाई बेमेतरा मंजू कमलेश सिंन्हा अध्यक्ष महिला मंच बेमेतरा मंडल परशुराम सिंन्हा अध्यक्ष युवा मंडल बेमेतरा दीपक सिंन्हा युवा मंच बेमेतरा मंडल रूपेंद्र सिंन्हा कोषाध्यक्ष युवा मंच बेमेतरा मंडल उपस्थित रहे।

# तहसील साहू संघ एवं परिक्षेत्रीय पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह

**दल्लीराजहरा।** तहसील साहू संघ एवं परिक्षेत्रीय पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह तथा नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ. निरेन्द्र साहू का सम्मान समारोह का आयोजन साहू सदन, न्यू बस स्टैण्ड के पास, दल्लीराजहरा में रखा गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे डॉ. निरेन्द्र साहू अध्यक्ष, प्रदेश साहू संघ छत्तीसगढ़, अध्यक्षता सोमन साहू अध्यक्ष, जिला साहू संघ, बालोद, प्रीतम साहू पूर्व विधायक, बालोद विधानसभा, तोरण लाल साहू उपाध्यक्ष जिला साहू संघ, बालोद एवं अध्यक्ष नगर पालिका दल्ली राजहरा, प्रतिभा चौधरी अध्यक्ष नगर पालिका, बालोद आदि लोग थे। स्वागत भाषण में नवनिर्वाचित अध्यक्ष शीतल साहू ने कहा कि आप सबके विश्वास और स्नेह से मुझे तहसील साहू संघ दल्ली राजहरा का अध्यक्ष पद ग्रहण करने का अवसर प्राप्त हुआ है। यह मेरे लिए गौरव के साथ-साथ समाज सेवा का उत्तरदायित्व भी है। मैं आप सभी का हृदय से आभार प्रकट करता हूँ और आश्वस्त करता हूँ कि समाज की मर्यादा, एकता और सम्मान को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करूँगा। समाज की उन्नति का प्रथम साधन शिक्षा है। हमारे बालक और बालिकाएँ पढ़-लिखकर आगे बढ़ें, उच्च स्थान प्राप्त करें–इसके लिए कोशिश होगी कि समाज स्तर पर मार्गदर्शन और सहयोग के प्रयासों को और व्यवस्थित तथा सशक्त बनाया जाए। हमारे युवा व युवती प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ और न्याय प्रकोष्ठ समाज की शक्ति के महत्वपूर्ण आधार हैं। युवा व युवती प्रकोष्ठ समाज में नई स्फूर्ति और संगठन की जागरूकता फैलाएगा। आगामी समय में हम भक्त माता कर्मा जयंती को विशेष भव्यता और श्रद्धा के साथ मनाने जा रहे हैं। माता कर्मा परोपकार, सेवा, त्याग और समाज-सुरक्षा की आदर्श प्रतीक हैं। उनकी जयंती हमारे लिए केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज को संगठित करने का अवसर है। इसके साथ ही, जो भी समाज के विद्यार्थी, खिलाड़ी, शिल्पी, सेवक अथवा अन्य सदस्य उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं–उनका सम्मान करना हमारा दायित्व है। सम्मान से उत्साह बढ़ता है और उत्साह से समाज आगे बढ़ता है। प्रतिभा चौधरी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारी को बधाई देते हुए कहा कि तहसील साहू संघ और परिक्षेत्र में आप सब पदाधिकारी बने हैं। यह एक पद नहीं यह जिम्मेदारी है एक व्यवस्था है समाज को सुचारू रूप से चलाने की। जिसमें आपको चुना इसलिए गया है कि आप अपने विचारों और कामों से समाज को बहुत आगे स्थल पर ले जा सकते हैं। यह जिम्मेदारी है आपके लिए हम साहू समाज के कुल से पैदा होकर आए हैं भामाशाह और संत शिरोमणि मां भक्त कर्मा जन्म लिए थे। इतने बड़े साहू समाज में कई प्रतिभावान और जिम्मेदार लोग होने की बावजूद हमारे हमारा समाज पिछड़ा है। हमारा दायित्व है कि हम समाज को आगे बढ़ाने के लिए काम करें। हमारे समाज के निर्धन परिवार के बच्चे जो पढ़ना लिखना चाहते हैं उसकी मदद करें। ताकि समाज के बच्चे आगे पढ़ कर समाज के नाम रोशन कर सके। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष डॉ निवेंद्र साहू से अनुरोध किया कि एक ऐसी व्यवस्था बनाई जाए कि प्रत्येक शहर में हमारे समाज के भवन हो जहां किसी काम से जाने वाले हमारे समाज के भाई बहन को रहने के लिए उचित व्यवस्था हो सके। शिक्षा और संस्कार में माता और बहनों के निवेदन करता हूं कि बच्चों को समाज के रीति-निति के बारे में बताएं। समाज में अंतर जाति और अंतरधर्म विवाह हो रहा है उसे रोकना होगा।

# दल्ली चौक से रेलवे क्रॉसिंग तक सड़क निर्माण में लापरवाही उजागर, कलेक्टर की फटकार के बाद भी काम अधूरा, ठेकेदार व विभाग पर उठे सवाल

**बालोद।** जिला मुख्यालय बालोद स्थित दल्ली चौक तिराहा से रेलवे क्रॉसिंग तक लोक निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे सड़क चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्य में लगातार लापरवाही और अनियमितता उजागर हो रही है। लगभग करीब 5 माह पहले स्वीकृत यह परियोजना अब तक महज 10 प्रतिशत ही पूरी हो पाई है, जबकि कार्यादेश जारी हुए पांच माह बीत चुके हैं, और 12 दिसम्बर 2025 कार्य की अंतिम अवधि है। जनता की परेशानी और शिकायतों के बाद बालोद कलेक्टर स्वयं मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने कार्य की धीमी प्रगति और अव्यवस्थित निर्माण पर विभागीय अधिकारियों व ठेकेदार को कड़ी फटकार लगाई थी। इसके बाद आनन-फानन में काम फिर से शुरू तो हुआ, लेकिन जमीनी हालात आज भी सुधार की बजाय और अव्यवस्थित नजर आ रहे हैं।

### गलत सर्वे और अधूरी तैयारी बनी बड़ी चूक

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह परियोजना पीडब्ल्युडी उप संभाग क्रमांक 1 बालोद के अंतर्गत है। लगभग 1.850 किमी लंबी इस सड़क का चौड़ीकरण, सौंदर्यीकरण एवं डिवाइडर निर्माण कार्य मे. सेवा सिंह ओबेरॉय एंड कंपनी को 592.63 लाख रुपये की अनुबंधित राशि में सौंपा गया था। निविदा दर 20 प्रतिशत कम रखी गई थी। परियोजना के अनुसार, सड़क के बीच में 80 सेमी का डिवाइडर बनाते हुए दोनों ओर 9-9 मीटर क्षेत्र में निर्माण कार्य होना है। इसमें 5.5 मीटर सड़क, 1.75 मीटर साइड सोल्डर और 1-1 मीटर नाली निर्माण शामिल है। लेकिन तकनीकी सर्वे में भारी गड़बड़ी सामने आई है। सर्वे गलत होने के कारण जमीन अधिग्रहण और कब्जा हटाने की प्रक्रिया नियमानुसार नहीं की गई।

### पुराने पाइपलाइन और अतिक्रमण से कार्य बाधित

सड़क के नीचे पुरानी जल पाइपलाइन बिछी होने के बावजूद शिफ्टिंग के लिए कोई बजट तय नहीं किया गया था। परिणामस्वरूप कार्य शुरू होते ही कई घरों के नल टूटने लगे, जिससे स्थानीय लोग नाराज हुए। अब विभाग ने करीब 2 करोड़ 15 लाख रुपये का नया एस्टीमेट नगर पालिका से मंगवाकर रायपुर स्थित अधीक्षण अभियंता कार्यालय को रिवाइज के लिए भेजा है। इसके अलावा, सड़क चौड़ीकरण से पहले अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया पूरी न होने से अब विद्युत पोल शिफ्टिंग में भी बड़ी बाधाएं सामने आ रही हैं। कई स्थानों पर स्थानीय लोगों ने विरोध भी जताया है। डिवाइडर निर्माण से निकली मिट्टी भी अब तक नहीं हटाई गई है, जिससे मार्ग और अधिक अव्यवस्थित हो गया है।

### ठेकेदार के हित में कार्य, नियमों की अनदेखी

बताया जा रहा है कि विभाग द्वारा ठेकेदार की सुविधा को ध्यान में रखकर कार्य कराया जा रहा है। पुराने जिला अस्पताल, सहकारी बैंक और पुलिस लाइन क्षेत्र में अब भी कई निजी व सरकारी भवन सड़क सीमा में आ रहे हैं। राजनीतिक दबाव के कारण विभाग अपने नक्शे से हटकर कार्य कर रहा है। जबकि कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान विभाग को सख्त निर्देश दिए थे कि कार्य की गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा और आम जनता को असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसके बावजूद विभाग की लापरवाही से स्थिति जस की तस बनी हुई है।

## आज जायसवाल समाज द्वारा भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जी का जयंती मनाया जायेगा

**दल्लीराजहरा।** जायसवाल समाज के संगठन मंत्री श्याम जायसवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 11 नवंबर मंगलवार को जायसवाल समाज द्वारा भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जी का जयंती मनाया जायेगा।

पूजन कार्यक्रम जायसवाल भवन वार्ड क्रमांक 19 में सुबह 08 बजे शुरू किया जाएगा। जिसमें भगवान सहस्त्रबाहु बाहु जी व बुढ़िया माई का पूजन किया जायेगा। दोपहर 12 बजे से वार्ड क्रमांक 09 स्थित गायत्री मंदिर में समाज का मिलन समारोह आयोजित होगा। जिसमें समाज के वरिष्ठों का सम्मान कार्यक्रम व भोज का आयोजन होगा। पहली बार इस कार्यक्रम को भव्य रूप में किया जा रहा है। इसमें दल्लीराजहरा, कुसुमकसा, डौंडी, कच्चे, भानुप्रतापपुर, बडगांव, कांकेर के सभी जायसवाल समाज के सदस्य परिवार सहित सम्मिलित होंगे।

# वंदे मातरम् गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने तथा एसआईआर का गठन

**दल्लीराजहरा।** अटल योग सदन दल्लीराजहरा में वंदे मातरम् गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने तथा एसआईआर का गठन होने के उपलक्ष्य में राजहरा मण्डल द्वारा भव्य एवं सफल कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संचालक भूपेंद्र श्रीवास ने किया। कार्यक्रम के संयोजक रहे राकेश द्विवेदी तथा सह-संयोजक श्याम जायसवाल थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उदबोधन में मंडल अध्यक्ष रामेश्वर साहू ने कहा कि जिस प्रकार देश में वंदे भारत जैसी आधुनिक व तेज गति से चलने वाली ट्रेनें देश को नई दिशा दे रही हैं, उसी प्रकार प्रत्येक कार्यकर्ता और पदाधिकारी को भी स्वयं को आधुनिक, सक्रिय और तेज गति से कार्य करने की आवश्यकता है। पद अवसर नहीं दायित्व होता है। जो अपने दायित्व का ईमानदारी से पालन नहीं करेगा, उसका दायित्व बदला जाएगा साथ ही उन्होंने वंदे मातरम् गीत कब लिखा गया, किसने लिखा तथा एसआईआर के महत्व पर भी विस्तृत जानकारी दी।

विशेष चर्चा श्याम जायसवाल ने एसआईआर पर चर्चा आरंभ की तथा प्रत्येक बीएलएए-2 पदाधिकारी को मोबाइल पर सूची कैसे देखनी है, इसकी विस्तृत जानकारी दी। इसी क्रम में राकेश द्विवेदी ने एसआईआर एवं वंदे मातरम् गीत के ऐतिहासिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में मंडल उपाध्यक्ष सुरेंद्र बेहरा ने वंदे मातरम् गीत प्रस्तुत किया, जिसके साथ सभी कार्यकर्ताओं ने स्वर मिलाकर सदन का वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत कर दिया। स्वागत समारोह में राकेश द्विवेदी का स्वागत मंडल उपाध्यक्ष सुरेंद्र बेहरा एवं विनय सिंह द्वारा किया गया। श्याम जायसवाल का स्वागत राजहरा के पार्षदगण द्वारा किया गया। मंडल अध्यक्ष रामेश्वर साहू का स्वागत मंडल मंत्री समर्थ लाखानी द्वारा किया गया। कार्यशाला में आभार प्रदर्शन मंडल मंत्री समर्थ लाखानी ने किया।

# विधायक दीपेश साहू रहे मुख्य अतिथि, कार्यकर्ताओं से अभियान को जन–आंदोलन के रूप में सफल बनाने का किया आह्वान

**बेमेतरा।** भारतीय जनता पार्टी शहर मंडल बेमेतरा द्वारा जिला भाजपा कार्यालय में एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान) को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उददेश्य मतदाता सूची के अद्यतन कार्यों की समीक्षा, नए मतदाताओं के नाम जोड़ना, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाना एवं सूची में हुई त्रुटियों का सुधार करना रहा। अपने संबोधन में विधायक दीपेश साहू ने कहा मतदाता सूची किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला होती है। जब सूची सही और पूर्ण होगी, तभी लोकतंत्र की नींव मजबूत रहेगी। इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता का कर्तव्य है कि वह अपने-अपने बूथों में जाकर पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने का कार्य सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि सभी भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता इस अभियान को गंभीरता से लें और अधिक से अधिक संख्या में इसमें शामिल होकर इसे सफल बनाएं। यह अभियान हमारे आने वाले चुनावों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। जितनी मेहनत हम इस कार्यक्रम में करेंगे, उतना ही संगठन के लिए भविष्य में चुनावी प्रक्रिया सरल और पारदर्शी बनेगी। पूर्व में कई स्थानों पर मृत व्यक्तियों के नाम से मतदान हुआ है, ऐसी त्रुटियों को सुधारना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पार्टी हर उस कार्यकर्ता को सम्मानित करेगी जो इस अभियान में सक्रियता से कार्य करेगा। वोटर सूची में एक भी पात्र मतदाता का नाम छूटना, लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित करना है। इसलिए हर कार्यकर्ता 'हर पात्र नागरिक बने मतदाता' के लक्ष्य को लेकर सक्रियता से कार्य करे।

### अभियान की रूपरेखा एवं कार्यक्रम योजना

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी सप्ताह से भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी घर-घर जाकर मतदाता पुनरीक्षण अभियान चलाएंगे। रूपरेखा इस प्रकार निर्धारित की गई। जिसमे प्रत्येक बूथ स्तर पर टीमें गठित की जाएंगी, जो अपने क्षेत्र के हर परिवार से संपर्क करेंगी।18 वर्ष से अधिक आयु के पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से फॉर्म-6 भरने में सहायता प्रदान की जाएगी। महिलाओं, युवाओं और प्रथम बार वोट डालने वाले नागरिकों को विशेष रूप से जोड़ा जाएगा। बूथ प्रभारी प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट मंडल स्तर पर प्रस्तुत करेंगे। विधायक दीपेश साहू ने आम नागरिकों से अपील की हर नागरिक यह सुनिश्चित करे कि उसका और उसके परिवार के सभी पात्र सदस्यों का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो। यही आपके लोकतांत्रिक अधिकार का पहला कदम है। आने वाले चुनावों में एक-एक वोट अमूल्य है इसलिए आज ही अपना नाम सूची में अवश्य जुड़वाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता केवल एक राजनीतिक संगठन के सदस्य नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रहरी हैं, जिन्हें इस जन-जागरूकता अभियान को सफल बनाने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। बैठक का संचालन शहर मंडल अध्यक्ष युगल देवांगन ने किया तथा आभार प्रदर्शन पूर्व मंडल अध्यक्ष मोंटी साहू ने किया। बैठक मे पूर्व जिलाध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा, एस.आई आर. विधानसभा प्रभारी होरीलाल सिन्हा, शहर मंडल प्रभारी रेवाराम निषाद, शहर मंडल अध्यक्ष युगल देवांगन, पूर्व शहर मंडल अध्यक्ष मोंटी साहू, वरिष्ठ भाजपा नेता महेश साहू, कमलेश वर्मा, सोसायटी अध्यक्ष दोहाई वर्मा, पार्षद विकाश तम्बोली, चांदनी रोशन दत्ता, राजकुमार खांडे, रवि मुलवानी, सिमरन ताम्रकार, खिलेश्वरी शिव पाटिल, अमृता निर्मलकर, ममता साहू, उमेश्वरी साहू सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# नपाध्यक्ष ने किया 21 लाख की लागत की आरसीसी रोड का भूमिपूजन

**बेमेतरा।** शहर के वार्ड क्रमांक 2 में नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, पार्षद रीता पांडेय, सीएमओ नरेश वर्मा, दिनेश साहू, ओमप्रकाश यादव, चतुर अहिरवार व वार्डवासियों की उपस्थिति में 21 लाख रूपए की लागत से बनने वाले आरसीसी रोड का भूमिपूजन सोमवार को किया गया। लाखों रुपए की लागत का यह आरसीसी रोड विद्यानगर में कान्हा के घर से सिन्हा के घर व टिकेंद्र यादव के घर से लेकर महराज के घर तक बनेगी। विगत कई वर्षों से सड़क की मांग करते आ रहे वार्डवासियों के द्वारा भूमिपूजन पश्चात खुशी का इजहार करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष सिन्हा एवं वार्ड पार्षद पांडेय का आभार जताया।

### गुणवत्ता का रखें ध्यान : सिन्हा

इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष सिन्हा ने ठेकेदार को बुलाकर कहा कि आरसीसी रोड निर्माण में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखें उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी तकनीकी अधिकारियों के साथ समय-समय पर निर्माण कार्य का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने वार्डवासियों को भी इस पर निगरानी रखने को कहा।

## संक्षिप्त समाचार

### वायर फैक्ट्री से लाखों रुपए का सामान पार

**रायपुर।** उरला स्थित मां गायत्री वायर इंडस्ट्रीज से अज्ञात चोर ने लाखों रुपए का सामान पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी पंकज मिश्रा 43 वर्ष हीरापुर टाटीबंध का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि उरला स्थित मां गायत्री वायर इंडस्ट्रीज से अज्ञात चोर ने हाफ मशीन ड्रम, ड्राई कापेक्स व अन्य सामान पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 1 लाख 45 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

### ठंड बढ़ने से सुबह की सैर हुई सुहावनी, उद्यान हुए गुलजार

**रायपुर।** जम्मू कश्मीर एवं हिमालय की तराई में हो रही बर्फबारी से छग प्रदेश का मौसम भी बदल गया है। जिसके चलते सुबह एवं रात के समय ठंड में इजाफा हो रहा है। सुबह की सैर करने वाले स्वेटर शॉल टोपी मफलर आदि पहनकर उद्यानों की ओर जा रहे है। सुबह की सैर ठंड की वजह से सुहावनी हो गई है। वहीं बगीचों में सुबह सुबह भजन कीर्तन के साथ ही योग करने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले 24 घंटों में ठंड में इजाफा होने से जहां तापमान में गिरावट आएगी वहीं राते और ठंडी होंगी। ज्ञातव्य है कि कार्तिक पूर्णिमा के समाप्त होते ही छग में मार्गशीर्ष माह में अच्छी ठंड पड़ती है चूंकि इस बार बरसात लंबे समय तक हुई है इसलिए आम लोगों का अनुमान है कि इस बार छग में भी आने वाले दिसंबर माह में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। इधर मप्र में भोपाल ग्वालियर में शीतलहर चलने से मौसम में बेहद ठंड महसूस की जा रही है।

### मोवा अंडरब्रिज बायपास बनने से स्टेशन की दूरी होगी कम

**रायपुर।** मोवा ओव्हरब्रिज में सुबह शाम लग रहे जाम से संबंधित क्षेत्र मोवा सड्डू विधानसभा एवं अंबूजा माल के आसपास अनेक कालोनियां बन गई है जिसके चलते कामकाजी लोगों के साथ आने जाने वाले लोगों की संख्या भी रायपुर एवं रायपुर से बाहर लगातार बढ़ते जा रही है। रेलवे स्टेशन जाने के लिए जिन यात्रियों को शार्टकट मार्ग की जानकारी नहीं है उन्हें लंबे समय तक रेलवे स्टेशन पहुंचने में जाम की वजह से समय लगता है जिसके चलते आए दिन कई यात्रियों की ट्रेनें छूटने की जानकारी भी मिली है। वहीं अवंतिबाई लोधी चौक से दोनों ओर सर्विस रोड से जुड़ा अंडरब्रिज जहां लोगों की आवाजाही सुगम बना है वहीं मोवा की ओर खुलने वाला अंडरब्रिज का मार्ग कांपा देवेंद्र नगर की ओर जाता है। इस मार्ग के आसपास काफी सरकारी भूमि खाली है। क्षेत्र के निवासियों जिनमें अजय साहू मीना चंद्राकर विजय गुप्ता एवं हरीश गुप्ता ने रायपुर ग्रामीण के विधायक मोतीलाल साहू एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उक्त मार्ग को बायपास मार्ग में बदलने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की है।

### ऑपरेशन के दौरान नसबंदी करा रही दो महिलाओं की मौत

**रायपुर।** जिला अस्पताल में नसबंदी के दौरान दो महिलाओं की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। सर्जरी करने वाली टीम की प्रमुख डॉ. उज्जवला देवांगन ने बताया कि ओटी टेबल पर ही दोनों को झटके व अकड़न होने लगी थी। नसबंदी के बाद आनन-फानन में दोनों को 200 मीटर दूर आईसीयू में शिफ्ट करा दिया गया। सिविल सर्जन डॉ. आशीषन मिंज के मुताबिक बजरंग नगर निवासी 27 वर्षीय पूजा यादव ने आईसीयू में दम तोड़ दिया। दूसरी सिकोला भाटा निवासी 30 वर्षीय किरण यादव को बेहतर उपचार के लिए परिजन निजी सेंटर ले जाना चाह रहे थे, तभी सांस थम गई। आईसीयू के ड्यूटी डॉक्टर ने सीपीआर दिया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। सीएस ने दोनों की मौत का संभावित कारण सर्जरी के लिए लगाई दवाओं में से किसी एक का रिएक्शन बताया गया है। सर्जरी करने वाली डॉ. उज्जवला ने भी रिएक्शन की वजह मौत की आशंका जाहिर की। महिलाओं को सुबह सकुशल भर्ती कराने वाले परिजन अचानक उनकी मौत से सदमें में हैं।

### किराए में फ्लैट ले रखा था वांटेड अपराधी वीरेंद्र तोमर, ग्वालियर के विंडसर हिल्स को बना रखा था सुरक्षित ठिकाना

**रायपुर।** रायपुर की पुरानी बस्ती पुलिस ने 2 जून से फरार चल रहे सूदखोर वीरेंद्र तोमर को ग्वालियर के विंडसर हिल्स सोसायटी से गिरफ्तार किया गया है। जहां वह बरमूडा में घूम रहा था। वह एक फ्लैट किराए पर लेकर रह रहा था। क्राइम ब्रांच और पुरानी बस्ती थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी वीरेंद्र को पकड़ा है। उसके खिलाफ मारपीट, हत्या की कोशिश, जबरन वसूली, सूदखोरी और अन्य गंभीर अपराधों के कई मामले दर्ज हैं।

भारत पर्व हमारी विविधता में एकता का उत्सव

# प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लौहपुरुष की विरासत को और सशक्त बनाया-साय

- सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष पर आयोजित भारत पर्व में शामिल हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री
- छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक दल के कलाकारों से की मुलाकात और दी शुभकामनाएं

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज गुजरात के केवड़िया स्थित एकता नगर में आयोजित भारत पर्व में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत पर्व हमारे देश की विविधता में एकता का प्रतीक है। यहां भारत के हर राज्य की संस्कृति, परंपरा और गौरव एक साथ देखने को मिलते हैं। कार्यक्रम में दिल्ली के उप राज्यपाल श्री वी के सक्सेना और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को नमन करते हुए कहा कि भारत पर्व उनकी 150वीं जयंती वर्ष पर आयोजित हो रहा है, जिसका समापन धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती — राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस — पर होगा। उन्होंने कहा कि यह पर्व भारत के सांस्कृतिक और भावनात्मक एकीकरण का सशक्त प्रतीक है। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की भव्यता की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह प्रतिमा भारत की एकता की पहचान है। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस प्रतिमा के निर्माण का निर्णय लिया, तब देश के हर गांव से लोहा मंगवाया गया था — यह सच्चे अर्थों में एक भारत का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह सरदार पटेल ने रियासतों को जोड़कर एक भारत बनाया, उसी तरह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उनके सपनों के भारत को सशक्त करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का निर्णय लेकर सरदार पटेल ने स्वतंत्र भारत में सनातन संस्कृति के वैभव को पुन: स्थापित किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सरदार पटेल के परिजनों के साथ राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया, और जब पूरे देश ने यह दृश्य देखा तो सभी भावविभोर हो उठे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि आज देश की विरासत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जैसे दूरदर्शी नेतृत्व के हाथों में है, जो सरदार पटेल की सोच और आदर्शों को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ की झांकी ने एकता परेड में हिस्सा लिया और पूरे देश को राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में हुए आयोजनों का उल्लेख करते हुए कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का वंदे मातरम् और सरदार पटेल की एकता की भावना — यही हमारी राष्ट्रीय पहचान है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरदार पटेल ने सिविल सेवा ढांचे का भारतीयकरण किया, और आज भी हमारे प्रशासनिक तंत्र में उनकी दूरदृष्टि और सोच झलकती है। भारत पर्व के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रस्तुति देने आए छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक दल के कलाकारों से भी मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

## 27 वी सब-जूनियर राष्ट्रीय फेंसिंग चैंपियनशिप इम्फाल,मणिपुर में

- छत्तीसगढ़ ने 01 रजत 02 कांस्य पदक सहित कुल 03 पदक प्राप्त कर

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ वीर कुमार गुप्ता ने एपी व्यक्तिगत मुकाबले में रजत पदक, स्नेहा यादव ने फॉयल व्यक्तिगत मुकाबले में कांस्य पदक तथा एपी टीम इवेंट में कांस्य पदक प्राप्त किया। मणिपुर की राजधानी इंफाल में आयोजित 27 वीं सब ङ्कजूनियर राष्ट्रीय फेंसिंग (तलवारबाजी) प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 03 से 08 नवम्बर 2025 तक सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। जिसमे देश के विभिन्न राज्यों के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने प्रतिनिधित्व। किया।उक्त प्रतियोगिता के एपी बालक व्यक्तिगत मुकाबले में वीर कुमार गुप्ता ने छत्तीसगढ़ राज्य को रजत पदक दिलाया। वीर कुमार गुप्ता ने अपने व्यक्तिगत मुकाबले में केरला, कर्नाटक , बिहार तथा गुजरात के प्रतिद्वंदी खिलाड़ी को हराते हुए फायनल में प्रवेश किया। फायनल मुकाबले में मणिपुर के प्रतिद्वंदी खिलाड़ी से 9ङ्क15 के स्कोर से हार का सामना करना पड़ा इसी के साथ द्वितीय स्थान पर रहते हुए रजत पदक पर हासिल किया।फॉयल बालिका व्यक्तिगत मुकाबले में स्नेहा यादव ने छत्तीसगढ़ को कस्य पदक दिलाया। स्नेहा यादव ने चंडीगढ़ , पंजाब, हरियाणा, मणिपुर के प्रतिद्वंदी खिलाड़ी को हरा कर सेमीफाइनल में जगह बनाया लेकिन उन्हें सेमीफाइनल में हरियाणा के खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा तथा तीसरे स्थान में रहते हुए कांस्य पदक से संतुष्ट करना पड़ा।छत्तीसगढ़ को तीसरा एवं अंतिम पदक एपी बालक टीम ने कांस्य पदक के रूप में दिलाया। एपी बालक टीम में वीर कुमार गुप्ता, श्रेयांश गुप्ता, देवाशीष साहू एवं भौमिक यादव ने टीम का प्रतिनिधित्व किया। एपी बालक टीम ने टॉप 16 में दिल्ली की टीम को 15 -11 से हराकर क्वार्टरफईनल में प्रवेश किया।

## संपत्ति की नई गाइडलाइन जारी 77 से घटाकर 14 प्रावधान.....

- वर्ष 2000 का पुराना नियम बदला, पंजीयन में होगी आसानी

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ सरकार ने संपत्तियों के गाइडलाइन निर्धारण संबंधी नियमों में बड़ा सुधार करते हुए नए नियम जारी किए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर जमीन गाइडलाइन मूल्य निर्धारण में बड़ा बदलाव किया गया है, इससे रजिस्ट्री की प्रक्रिया अब आसान होगी। वहीं, भ्रम, विसंगतियां व अतिरिक्त शुल्क भी समाप्त होंगे, जिससे आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी। वाणिज्यिक कर मंत्री ओपी चौधरी ने विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया था कि जमीन के गाइडलाइन मूल्य निर्धारण संबंधी वर्तमान नियम अत्यंत जटिल तथा विरोधाभासी हैं तथा जनता की समझ से बाहर हैं, इसके कारण आम लोगों को तरह-तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इन नियमों को सरल, संक्षिप्त बनाया जाए। बताया गया है कि गाइडलाइन दरों की गणना इन नियमों के अनुसार की जाती है। जैसे मुख्य मार्ग की दूरी क्या होगी। कौन से तल में होने पर कितना वैल्यूएशन होगा। किन-किन परिस्थितियों में कितने-कितने मूल्य बढ़ेंगे आदि। इन नियमों के आधार पर जमीन की रजिस्ट्री के समय बाजार मूल्य का आकलन किया जाता है। गाइडलाइन दरों के निर्धारण संबंधी ये नियम वर्ष 2000 से बने हुए थे तथा इनमें कोई परिवर्तन या संशोधन नहीं हुआ था। बताया गया है कि गाइडलाइन दरों की गणना इन नियमों के अनुसार की जाती है। जैसे मुख्य मार्ग की दूरी क्या होगी।

### मुख्यमंत्री ने किया श्री शंकर पांडे की पुस्तक छत्तीसगढ़ अतीत से अब तक' का विमोचन

प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने कहा

# जिला अध्यक्ष बनाने के लिए पैसे मांगे जाने के आरोप.....

- कांग्रेस में संगठन सृजन अभियान की प्रक्रिया पीएससी-यूपीएससी से भी अधिक जटिल हो गई
- कांग्रेस का भ्रष्ट राजनीतिक चरित्र एक बार फिर बेनकाब हुआ

रायपुर/ संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा है कि कांग्रेस में संगठन सृजन अभियान के तहत जिला अध्यक्षों का चयन की प्रक्रिया पीएससी-यूपीएससी से भी अधिक जटिल होती नजर आ रही है। श्री ठाकुर ने कहा कि लगातार करारी हार से पस्त कांग्रेस ने जैसे-तैसे संगठन सृजन का मन बनाया था, लेकिन इसमें भी पैसों के लेन-देन का आरोप लगाकर कांग्रेस के एक पूर्व विधायक ने इस पूरे अभियान को ही कठघरे में ला पटका है। सन 2023 के विधानसभा चुनाव से लगातार पाँच चुनावों में मिली करारी हार के बाद से ही अंदरूनी गुटबाजी से जूझ रही है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस का तो समूचा राजनीतिक इतिहास भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग का प्रामाणिक दस्तावेज है, इसलिए कांग्रेस के पूर्व विधायक रहे बृहस्पत सिंह के सह प्रदेश प्रभारी जरिता लेतफ्लांग के नाम पर जिला अध्यक्ष बनाने के लिए पैसे मांगे जाने के आरोप पर किसी को कोई हैरत भले नहीं हो रही है।

## बारनवापारा में टाइगर की दस्तक से बढ़ी हलचल,वन विभाग अलर्ट मोड पर

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के बारनवापारा अभ्यारण्य में फिर से टाइगर की मौजूदगी दर्ज की गई है। वन विकास निगम क्षेत्र में टाइगर मूवमेंट के संकेत मिलने के बाद वन विभाग अलर्ट पर है। अधिकारियों ने सर्च ऑपरेशन तेज करते हुए इलाके में गश्त और निगरानी बढ़ा दी है। दरअसल, बलौदा बाजार और महासमुंद जिले की सीमा पर स्थित वन विकास निगम क्षेत्र में बाघ के पैरों के निशान और मूवमेंट के संकेत मिले हैं। सूत्रों के अनुसार, यह बाघ पड़ोसी राज्य के जंगलों से यहां पहुंचा है। फिलहाल विभाग बाघ के मूवमेंट पर नजर रखे हुए है और इलाके में कैमरा ट्रैप एवं पेट्रोलिंग बढ़ाई गई है ताकि उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। वन विभाग ने स्थानीय ग्रामीणों को फिलहाल जंगल के नजदीक जाने से रोका गया है। पर्यटकों के लिए कुछ रास्तों पर अस्थायी रोक लगाई गई है। विभाग का कहना है कि इससे बाघ को सुरक्षित माहौल मिलेगा और किसी तरह की अनहोनी से बचा जा सकेगा। पिछले वर्ष भी इसी क्षेत्र में एक बाघ सक्रिय था, जिसे बाद में ट्रेंकुलाइज कर गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व भेजा गया था।

## फसल चक्र परिवर्तन से किसानों की आमदनी में होगा इजाफा.....

रायपुर/ संवाददाता

राज्य में किसानों की आमदनी बढ़ाने और कृषि में लागत कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में धमतरी जिले में भूमि एवं जल संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से फसल चक्र परिवर्तन अभियान को गति दी जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा कृषि विभाग एवं संबंधित विभागों के समन्वय से किसानों को ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर दलहनी, तिलहनी, लघु धान्य एवं मक्का जैसी कम जल की जरूरत वाली फसलों की खेती हेतु किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। धमतरी जिले में फसल चक्र परिवर्तन पर जोरधमतरी जिले में करीब 1 लाख 58 हजार 180 कृषक हैं, जो कृषि व्यवस्था की रीढ़ हैं। जिले में मुख्य सिंचाई का साधन नहरें हैं। साथ ही करीब 30 हजार नलकूपों से भूमिगत जल का उपयोग भी किया जाता है। इससे जलस्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। इस गंभीर स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा किसानों के बीच जल संरक्षण को बढ़ावा देने एवं फसल चक्र परिवर्तन को अपनाने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक विकासखण्ड में 10 गांव फसल चक्र परिवर्तन के लिए शामिल किया जाएगाकृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि धमतरी जिले के अधिकारियों एवं मैदानी अमलों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिले के प्रत्येक विकासखंड के कम से कम 10 गांवों में शत-प्रतिशत फसल चक्र परिवर्तन के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाए।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा अचानक पहुंचे सुकमा के अतिसंवेदनशील ग्राम पूर्वर्ती

# नक्सल लीडरों के परिजनों से मुलाकात कर पुनर्वास की अपील

- नक्सली लीडरों की माताओं ने अपने बच्चों से की अपील अब हथियार छोड़ लौटें समाज में और समाज के बीच रहकर करें विकास
- हिड़मा और बारसे देवा के परिजनों से मिलकर पुनर्वास का किया जा रहा प्रयास

रायपुर/संवाददाता

उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा आज अचानक सुकमा जिले के कोंटा विकासखण्ड के अतिसंवेदनशील ग्राम पूर्वर्ती पहुंचे। जहां उन्होंने गांव में जनचौपाल का आयोजन किया। इस चौपाल में समस्त ग्रामवासी और पूर्वर्ती से संबंध रखने वाले नक्सल लीडर माड़वी हिड़मा एवं बारसे देवा के परिजन भी शामिल हुए। जिसमें माड़वी हिड़मा की माता श्रीमती माड़वी पुंजी तथा बारसे देवा की माता श्रीमती बारसे सिंगे भी शामिल थीं। उनके साथ बारसे देवा के परिवार से चाचा बारसे ढुंगा, भाई बारसे भीमा, बारसे सन्ना, बारसे आमता, बारसे सीमडा, भतीजा बारसे मड़का, बारसे हिड़मा, बहु बारसे जोगी एवं माड़?वी हिड़मा के परिजनों में चाचा माड़वी देवा, माड़वी सोमा, चाची माड़वी सुक्की, भाई माड़वी हड़मा, माड़वी मासे, बहु माड़?वी मंगली भी उपस्थित रहे। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से मुलाकात की और गांव में आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता की जानकारी ली। जहां ग्रामीणों ने बताया कि पहले यहां ना तो सड़क थी ना ही कोई आधारभूत व्यवस्था और बारिश के दिनों में

तो गांव एक टापू बन जाता था ना तो कोई आ सकता था ना जा सकता था। नियद नेल्ला नार योजना से अब गांव में रोड आ गयी है राशन, दवाइयां, खाद अब ग्राम में ही मिल जाता है। उपमुख्यमंत्री ने सभी के साथ मुलाकात कर उनके साथ उनके साथ खाना खाया और उन्हें उपहार भी दिए और उनके द्वारा की गई मांगों को पूरा करने हेतु अधिकारियों को निर्देश भी दिए। नक्सल लीडरों के परिजनों से भी उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने आत्मीय मुलाकात कर उनके माता पिता से आशीर्वाद लिया। जहां उनकी माताओं श्रीमती माड़वी पुंजी तथा श्रीमती बारसे सिंगे ने बताया कि वे बड़े गैर जिम्मेदाराना तरीके से सब कुछ छोड़ कर जंगल में हथियार लेकर भटक रहे हैं। उन्होंने अपने बच्चों से अपील करते हुए कहा कि परिवार, गाँव, समाज को छोड़कर जंगल में हथियार लेकर भटकने से किसी का भला नहीं हो रहा है। अपने हथियार छोड़कर पुनर्वास का रास्ता चुनो और समाज, परिवार, परिजनों के बीच रहकर विकास एवं सबके हित के लिए कार्य करें। उनकी माताओं ने भी वीडियो जारी कर अपने बेटों को पुनर्वास करने की अपील की है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने परिजनों से कहा कि उनका प्रयास है कि सभी भटके युवा हथियार छोड़ पुनर्वास कर लेते हैं तो शासन उनका ख्याल रखेगी और समाज के बीच रहकर अहिंसक तरीके से मुख्यधारा में शामिल होकर वे क्षेत्र के विकास के लिए कार्य कर सकते हैं। क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए सभी के साथ की आवश्यकता है।

## संपादकीय

# लोकतंत्र को लेकर एक जरूरी सजगता

बिहार में विधानसभा के लिए हो रहे चुनाव के पहले चरण में गुरुवार को जिस पैमाने पर लोगों ने बढ़-चढ़ कर मतदान किया, उससे साफ है कि राज्य में लोकतंत्र को लेकर एक जरूरी सजगता है और मतदान के लिए लगी लंबी कतारों में उसी की अभिव्यक्ति दिखी। इस बार आंकड़ों के मुताबिक 64.66 फीसद मतदान हुआ, जिसे राज्य में हुए चुनावों में एक कीर्तिमान माना जा रहा है।

इससे साबित होता है कि बिहार भले ही कई मानकों पर विकास की दौड़ में पिछड़ गया है, लेकिन वहां आज भी लोगों के भीतर अपने लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर अतिरिक्त जागरूकता है और आखिर यही हक राज्य को विकास की राह पर आगे बढ़ने का सबसे अहम कारक बनेगा। गौरतलब है कि पहले चरण के लिए राज्य के अठारह जिलों के एक सौ इक्कीस विधानसभा क्षेत्रों में मतदान हुआ। बाकी सीटों पर दूसरे चरण में 11 नवंबर को मतदान होगा। नतीजे 14 नवंबर को घोषित होंगे। लेकिन इसकी संभावना जताई जा रही है कि अगले चरण में भी मतदान का यही रुख बना रहेगा। अब स्वाभाविक ही ऐसे आकलन सामने आने लगे हैं कि क्या लोगों का इतनी भारी संख्या में मतदान के लिए निकलना सत्ता विरोधी रुझान का संकेत हो सकता है। वहीं सत्ताधारी पक्ष का अपना अनुमान है कि मतदाताओं का समर्थन फिर से उन्हें ही मिलेगा। नतीजा चाहे जो हो, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि कई अहम कारकों ने ज्यादा मतदान के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाईं। मसलन, बिहार में चुनाव से पहले जिस तरह मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया चली और बड़ी संख्या में लोगों के नाम बाहर हुए, उसमें मतदाताओं के भीतर अपने आपको सूची में बनाए रखने के लिए अतिरिक्त चिंता पैदा हुई। इसे उन्होंने मतदान में हिस्सा लेकर जाहिर किया। वहीं, राज्य में छठ पर्व की वजह से दूसरे राज्यों से भी लोग भारी तादाद में अपने गांव पहुंचे होंगे और मतदान की तारीख उनकी शहर वापसी से ज्यादा दूर नहीं थी। इसके साथ अलग-अलग दलों की ओर से किए गए वादों और दी गई सुविधाओं का सवाल भी कसौटी पर है। एक ओर, सत्ताधारी राजग की ओर से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत दस हजार रुपए महिलाओं के खाते में दिए गए, वहीं इंडिया गठबंधन ने महिलाओं के लिए माई-बहन योजना और हर परिवार को सरकारी नौकरी के अलावा अन्य वादे किए हैं।

**आज, वैश्विक स्तर पर कई देशों में विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याएं दिखाई दे रही हैं, जिनका हल ये देश निकाल नहीं पा रहे हैं। आज विश्व के सबसे अधिक विकसित देश अमेरिका में भी मुद्रा स्फीति, बेरोजगारी, ऋण की राशि का असहनीय स्तर पर पहुंच जाना, विदेशी व्यापार में लगातार बढ़ता घाटा, नागरिकों के बीच आय की असमानता का लगातार बढ़ते जाना (अमीर नागरिक और अधिक अमीर हो रहे हैं एवं गरीब नागरिक और अधिक गरीब हो रहे हैं), बजट में वित्तीय घाटे का लगातार बढ़ते जाना एवं इन आर्थिक समस्याओं के चलते देश में सामाजिक ताने बाने का छिन्न भिन्न होना, जैसे, जेलों की पूरी क्षमता का उपयोग और इन जेलों में कैदियों के रखने लायक जगह की कमी होना, तलाक की दर में बेतहाशा वृद्धि होना, मकान की अनुपलब्धि के चलते बुजुर्गों का खुले में पार्कों में रहने को मजबूर होना, आदि ऐसी कई प्रकार की आर्थिक एवं सामाजिक समस्याएं दिखाई दे रही हैं। उक्त समस्याओं के चलते ही अब अमेरिकी अर्थशास्त्रियों द्वारा खुले रूप से कहा जाने लगा है कि साम्यवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं के असफल होने के उपरांत अब पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं के भी असफल होने का खतरा मंडराने लगा है, और यह अब कुछ वर्षों की ही बात शेष है। उक्त समस्याओं के हल हेतु अब पूरा विश्व ही भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहा है और तीसरे आर्थिक मॉडल की तलाश कर रहा है।**

# वैश्विक स्तर पर कई देशों में विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याएं

**प्रह्लाद सबनानी**

भारतीय आर्थिक दर्शन का वर्णन चारों वेद (ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद एवं अथर्ववेद), 18 पुराण, उपनिषद, विदुरनीति, कौटिल्य अर्थशास्त्र, थिरुवल्लुवर, मनुस्मृति, शुक्रनीति, डॉक्टर एम जी बोकारे द्वारा लिखित हिंदू अर्थशास्त्र, श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी द्वारा रचित पुस्तक ÷थर्ड वे÷ आदि शास्त्रों एवं धार्मिक पुस्तकों में मिलता है। इस प्रकार भारतीय आर्थिक दर्शन की जड़ें सनातन हिंदू संस्कृति से जुड़ी हुई हैं। भारतीय आर्थिक दर्शन की नीतियों का अनुपालन करते हुए ही प्राचीन काल में भारत में विभिन्न राजाओं द्वारा अपने अपने राज्यों की अर्थव्यवस्था सफलतापूर्वक चलाई जाती रही है।

भारतीय आर्थिक दर्शन में ÷विपुलता के सिद्धांत÷ की व्याख्या मिलती है जिसके अनुसार, बाजार में वस्तुओं की आपूर्ति सदैव ही मांग से अधिक रहती थी। इस सिद्धांत के चलते चूंकि उत्पादों की बाजार में पर्याप्त आपूर्ति रहती थी अतः वस्तुओं के बाजार भाव में वृद्धि नहीं दिखाई देती थी, अतः भारत में प्राचीनकाल में मुद्रा स्फीति की समस्या सर्वथा, थी ही नहीं। जबकि, आज विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा स्फीति की समस्या सबसे बड़ी समस्या है जिसका हल निकालने में ये देश सक्षम नहीं दिखाई दे रहे हैं। विपुलता के सिद्धांत के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में ही विभिन्न उत्पादों का उत्पादन किया जाकर स्थानीय हाट बाजार में इन उत्पादों का विक्रय किया जाता था, जिससे स्थानीय स्तर पर ही स्वावलम्बन का भाव जागृत होता था। कुछ इलाकों में 40/50 गांवों के बीच साप्ताहिक हाट की व्यवस्था विकसित की गई थी। इन साप्ताहिक हाटों में लगभग सभी प्रकार के उत्पादों का विक्रय किया जाता था। चूंकि स्थानीय स्तर पर निर्मित विभिन्न उत्पादों की पर्याप्त मात्रा में बाजार में उपलब्धि रहती थी, अतः इन उत्पादों की कीमतें भी अपने आप ही नयंत्रित रहती थीं और इस प्रकार प्राचीन भारत में मुद्रा स्फीति के स्थान पर घटते हुए मूल्य के अर्थशास्त्र का वर्णन मिलता है। पूरे विश्व में, इस संदर्भ में, वर्तमान स्थिति भारतीय आर्थिक दर्शन के ठीक विपरीत दिखाई देती है जो किसी भी स्थिति में उचित नहीं कही जा सकती है। दरअसल, मुद्रा स्फीति का सबसे बुरा असर गरीब वर्ग पर पड़ता है और आज वैश्विक स्तर पर उत्पादन इकाईयां विभिन्न वस्तुओं की बाजार में आपूर्ति को विपरीत रूप नियंत्रित करती हैं ताकि इन उत्पादों की बाजार में कीमत बढ़ सके एवं इन उत्पादन इकाईयों के लाभ में वृद्धि दर्ज हो सके। पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्था में उत्पादन इकाईयों का मुख्य उद्देश्य ही

अधिकतम लाभ कमाना होता है और इस मूल्य वृद्धि से समाज के गरीब एवं मध्यम वर्ग पर कितना बोझ बढ़ रहा है, इससे उन्हें कोई मतलब नहीं रहता है। प्राचीन भारत में मुद्रा स्फीति की समस्या इसलिए भी नहीं रहती थी क्योंकि प्राचीनकाल में भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार ÷प्रतिस्पर्धा के सिद्धांत÷ का अनुपालन सुनिश्चित होता था। ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले हाट बाजार में उत्पादों के विक्रेताओं के बीच में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रहती थी। उत्पाद बेचने वाले स्थानीय विक्रेताओं की पर्याप्त संख्या रहती थी एवं साथ ही इनके बीच अपने अपने उत्पाद बेचने की प्रतिस्पर्धा रहती थी ताकि अपने अपने उत्पाद शीघ्र ही बेचकर वे अपने अपने ग्रामों में सूरज डूबने के पूर्व वापिस पहुंच सकें। इस प्रकार के कारणों के चलते कई बार तो विक्रेता अपने उत्पादों को सस्ते भाव में बेचना चाहता था अतः बाजार में उत्पादों के मूल्यों में कमी भी दिखाई देती थी। आज, वैश्विक स्तर पर निगमित क्षेत्र में कार्यरत कम्पनियों के बीच आपसी प्रतिस्पर्धा तो एक तरह से दिखाई ही नहीं देती है बल्कि वे आपस में मिलकर उत्पादक संघ (कार्टेल) का निर्माण कर लेती हैं और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों के बाजार मूल्यों को अपने पक्ष में नियंत्रित किया जाता हैं ताकि वे इन उत्पादों के व्यापार से अपने लिए अधिकतम लाभ का अर्जन कर सकें। इस पूंजीवादी नीति से इन कम्पनियों की लाभप्रदता में तो वृद्धि होती है परंतु आम नागरिकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। अतः उक्त पूंजीवादी आर्थिक नीति के चलते आम नागरिकों पर निर्मित होने वाले आर्थिक दबाव को कम करने की दृष्टि से विक्रेताओं द्वारा लाभ अर्जन के संदर्भ में भी भारतीय आर्थिक दर्शन के नियमों का अनुपालन किया जा सकता है। भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, ÷मूल्य सिद्धांत÷ के अंतर्गत, विक्रेता द्वारा स्वयं के द्वारा निर्मित वस्तु की उत्पादन लागत पर 5 प्रतिशत की दर से लाभ जोड़कर उस वस्तु का विक्रय मूल्य तय किया जाना चाहिए एवं यदि उस वस्तु का निर्यात किसी अन्य देश को किया जा रहा है तो उस वस्तु के उत्पादन लागत पर 10 प्रतिशत की दर से लाभ जोड़कर उस वस्तु का विक्रय मूल्य तय किया जाना चाहिए। इस नीति के अनुपालन से प्राचीन भारत में विभिन्न उत्पादों के बाजार मूल्य लम्बे समय तक स्थिर रहते थे एवं इनके मूल्यों में वृद्धि लगभग नहीं के बराबर दिखाई देती थी। आज पूंजीवादी नीतियों के अंतर्गत विभिन्न उत्पादों के विक्रय मूल्यों पर किसी भी प्रकार का नियंत्रण नहीं है। विशेष रूप से दवाईयों के मूल्य के सम्बंध में नीति का उल्लेख यहां किया जा सकता है। केन्सर एवं दिल की बीमारी से सम्बंधित दवाईयों के बाजार मूल्य लाखों रुपयों में तय किए जाते हैं क्योंकि इन दवाईयों को बेचने का एकाधिकार ÷पैटेंट कानून÷ के अंतर्गत केवल इन दवाईयों का उत्पादन करने वाली कम्पनियों के पास रहता है। केवल लाभ कमाना ही इन कम्पनियों का मुख्य उद्देश्य है, जबकि सनातन हिंदू संस्कृति में किसी अस्वस्थ नागरिक को दवाई उपलब्ध कराने का कार्य सेवा कार्य की श्रेणी में रखा गया है। उक्त वर्णित दवाईयों की बाजार में उपलब्धता बढ़ाकर एवं इन दवाईयों के विक्रय मूल्य को नयंत्रित रखकर कई जीवन बचाए जा सकते हैं। परंतु, पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के अंतर्गत तो लाभ कमाना ही मुख्य उद्देश्य है। आज विश्व के कई देशों में बेरोजगारी की समस्या विकराल रूप धारण करती हुए दिखाई दे रही है एवं इन देशों के पास बेरोजगारी की समस्या को हल करने का कोई उपाय भी सूझ नहीं रहा है। भारत के प्राचीन ग्रंथो में बेरोजगारी की समस्या के संदर्भ के किसी प्रकार का जिक्र भी नहीं मिलता है। ÷स्वयं के नियोजन के सिद्धांत÷ का अनुपालन करते हुए उस समय पर विभिन्न परिवारों द्वारा स्थापित अपने उद्यमों को ही आगे आने वाली पीढ़ी आगे बढ़ाती जाती थी, इससे युवाओं में ÷नौकरी÷ करने का प्रचलन भी नहीं था। अपने पारम्परिक व्यवसाय में ही युवा पीढ़ी रत हो जाती थी अतः बेरोजगारी की समस्या भी बिलकुल नहीं पाई जाती थी। आज पूंजीवादी व्यवस्था के अंतर्गत कोरपोरेट जगत की स्थापना के चलते नागरिकों में ÷नौकरी÷ का भाव जागृत किया गया है। आज प्रत्येक युवा नौकरी की कतार में लगा हुआ दिखाई देता है, लगभग 30 वर्ष की आयु होते होते जब उसे उसकी चाहत के अनुसार नौकरी नहीं मिल पाती है तो वह अपने जीवन के लिए समझौता कर लेता है और किसी भी संस्थान में किसी भी प्रकार की नौकरी करने को मजबूर हो जाता है। कई इंजीनियर एवं पोस्ट ग्रैजूएट युवा, मजबूरी में आज विभिन्न उत्पादों की डिलीवरी करने एवं टैक्सी चलाने जैसे कार्यों को भी करते हुए दिखाई देते हैं। आज यदि अपने पुश्तैनी व्यवसाय को यह युवा आगे बढ़ा रहे होते तो सम्भवतः उनकी आमदनी भी अधिक होती और उक्त प्रकार के कार्य करने हेतु वे मजबूर भी नहीं होते। भारत के प्राचीन ग्रंथों में ÷शून्य ब्याज दर के सिद्धांत÷ का भी वर्णन मिलता है। राज्यों के पास धन के भंडार भरे रहते थे एवं समाज में यदि किसी नागरिक को अपना व्यवसाय स्थापित करने के लिए धन की आवश्यकता रहती थी तो वह राजा से धन उधार लेकर अपना व्यवसाय स्थापित कर सकता था एवं राजा द्वारा नागरिकों को दी गई उधार की राशि पर किसी प्रकार का ब्याज नहीं लिया जाता था। क्योंकि, यह उस राज्य के राजा का कर्तव्य माना जाता था कि वह अपने राज्य के नागरिकों को उचित मात्रा में व्यवसाय करने के लिए धन उपलब्ध कराए। इस प्रकार, भारत के प्राचीन खंडकाल में ब्याज की दर भी शून्य रहा करती थी। इससे, स्थानीय नागरिक भी अपना व्यवसाय स्थापित करने की ओर प्रेरित होते थे एवं नौकरी करने का चलन नहीं के बराबर रहता था।

## रामायण, महाभारत काल से महत्वपूर्ण रही बिहार की धरती, अब सबसे पिछड़े होने का दंश

**आशीष कुमार**

मौजूदा बिहार राज्य को इतिहास पन्नों में खंगालें तो वैदिक युग में ये प्रदेश विदेह, अंग, मगध, और वज्जि (वैशाली) महाजनपदों में बंटा हुआ था। इन महाजनपदों का इतिहास देखें तो विदेह (मिथिला क्षेत्र) में राजा जनक का शासन था उनकी पुत्री सीता से भगवान राम का विवाह हुआ था। अंग का जिक्र महाभारत काल में आता है और ये दानवीर कर्ण के शासन के अधीन हुआ करता था। मगध (मौजूदा समय में पटना और गया का क्षेत्र) क्षेत्र को नंदवंश और फिर मौर्य वंश के शासन से इतिहास में शोहरत मिली। वहीं वज्जि (वैशाली) महाजनपद की बात करें तो इसे विश्व के प्रथम गणराज्य होने का गौरव हासिल है। यानी कुल मिलाकर बिहार का अतीत देश के अन्य राज्यों की तरह समृद्धशाली और गौरवपूर्ण रहा है।

अब बात करते हैं आधुनिक बिहार का तो ये अपने अस्तित्व में आने से पहले पश्चिम बंगाल का हिस्सा हुआ करता था। 22 मार्च 1912 को ब्रिटिश शासन ने बिहार और उड़ीसा (अब ओडिशा) नाम से नया प्रांत बनाया और इस तरह बिहार बंगाल से अलग होकर उड़ीसा के साथ एक स्वतंत्र प्रशासनिक इकाई बन गया। आगे चलकर अंग्रेजों ने एक अप्रैल 1936 को उड़ीसा को बिहार से अलग कर दिया गया और बिहार बतौर प्रांत पूरी तरह स्वतंत्र इकाई बन गया।

साल 1947 में 15 अगस्त को देश का अंग्रेजों से हमेशा के पीछा छूटा और दुनिया के नक्शे पर पैदा हुए मुल्क ने विभाजन के घाव लिए विकास की राह पर चलना शुरू किया। बिहार प्रांत ने भी कंधे से कंधा मिलाकर कदम बढ़ाना शुरू किया। बिहार के लोग सियासत की पुरपेंच गलियों में चलना बखूबी जानते हैं। उन्हें ये भी पता होता है कि गली के आगे बढ़ते नुक्कड़ पर कौन सी मंजिल मिलेगी। उड़ती चिड़िया के पर गिनने में महारत रखने वाले बिहार के लोग ये भी जानते हैं कि मौजूदा वक्त में बिहार बदहाल है, मानवीय सूचकांक जितने भी मापदंड हैं, उनमें बिहार लगातार फिसलता या लड़खड़ाता नजर आता है लेकिन सवाल पैदा होता है क्यों?

इस सवाल को मथने पर जो कड़वा सच बाहर निकलता है, वो सीधे तौर पर सूबे कि सियासत, सिसायतदानों और यहां के रहने वाले लोगों को ही कटघरे में खड़ा करता नजर आता है। साल 1952 के पहले विधानसभा चुनाव से लेकर साल 2020 तक 17 विधानसभा चुनाव देख चुका ये सूबा अब 18वां विधानसभा चुनाव देख रहा है। एनडीए और इंडिया गठबंधन की खेमेबंदी कहां तक सफल होती है ये तो 14 नवंबर को पता चलेगा और उससे पहले गुरुवार छह नवंबर और 11 नवंबर को बिहार के लोग वोटिंग करके अपने किस्मत के फैसला पर खुद मुहर लगाएंगे। लेकिन, बड़ा और अहम सवाल ये है कि लगभग 13 करोड़ की जनसंख्या वाले इस राज्य को इस चुनाव से हासिल क्या होगा? पहले के 17 विधानसभा चुनावों हुए, उनसे क्या हासिल हुआ?

डॉ श्रीकृष्ण सिंह से लेकर अब नीतीश कुमार तक कुल 34 लोग अलग-अलग समय में मुख्यमंत्री रहे। जिसमें सबसे लंबे समय तक साल 1946 से 1961 तक डॉ. श्रीकृष्ण सिंह मुख्यमंत्री रहे। प्रदेश की पहली महिला मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने तीन कार्यकाल में साल 1997 से 2005 तक प्रदेश की कमान संभाली और मौजूदा मुख्यमंत्री सबसे अधिक पांच बार मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड कायम कर चुके हैं। लेकिन फिर सवाल यही उठता है कि हाशिये पर पड़े आम आदमी का क्या? उसे क्या मिला। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, चिकित्सा, आवास, भोजन और पानी जैसी मूलभत जरूरतों के लिए भी प्रदेश का आदमी आज भी संघर्ष कर रहा है। अशिक्षा, जातिगत भेदभाव, धर्म, भाषा, क्षेत्रीयता और आपराधिक बर्चस्व की लड़ाई ने बिहार के सामाजिक ताने-बाने को कुछ इस तरह से छिन्न-भिन्न किया है कि राजनीति के केंद्र में विकास, संसाधन, महिला सशक्तिकरण, कानून व्यवस्था और दूसरे सामाजिक पैमाने वो प्रभाव नहीं दिखा सके जो हमें दूसरे राज्यों में देखने को मिलते हैं। यहां के ग्रामीण और शहरी इलाकों में इतनी असमानता है कि हम एक सूबे की बात न करके उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव का जिक्र कर रहे हों। कभी-कभी ये कहा जाता है कि 90 के दशक में लालू प्रसाद यादव के दौर में 'सामाजिक न्याय की राजनीति' का दौर शुरू हुआ।

# धन और संपत्ति के वितरण में असमानता अब चरम पर पहुंच चुकी

**ललित गर्ग**

विश्व अर्थव्यवस्था पर किए गए हालिया अध्ययन विशेषकर जी-20 पैनल की रिपोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि धन और संपत्ति के वितरण में असमानता अब चरम पर पहुंच चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार आज दुनिया की नई बनी संपत्तियों का लगभग तिरेसठ प्रतिशत हिस्सा मात्र एक प्रतिशत अमीर लोगों के पास है जबकि निचले पचास प्रतिशत गरीब लोगों के हिस्से में केवल एक प्रतिशत संपत्ति आई है। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक, सामाजिक और मानवीय संकट का भी संकेत है। यह स्थिति एक आदर्श विश्व संरचना के लिये भी बड़ी बाधा है। यह ऐसी त्रासद, विद्रोहपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण स्थिति है जिसमें एक तरफ लोग मूलभूत सुविधाओं के अभाव में सड़कों पर उतर रहे हैं तो दूसरी ओर अमीर से और अमीर होते लोगों की विलासिता के किस्से तमाम हैं। उदारीकरण व वैश्वीकरण के दौर के बाद पूरी दुनिया में आर्थिक असमानता रूकने का नाम नहीं ले रही है, इससे एक बड़ी आबादी में विद्रोह एवं क्रांति के स्वर उभर रहे हैं।

सन् 2000 से 2024 के बीच विश्व अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व वृद्धि हुई, तकनीकी विकास हुआ, उत्पादन बढ़ा और वैश्वीकरण के नाम पर बाजारों का विस्तार हुआ, लेकिन इस विकास का लाभ समान रूप से नहीं बंटा। अमीर और अमीर होते गए, गरीब और गरीब। सन 2000 में जहां विश्व की कुल संपत्ति का पैंतालीस प्रतिशत हिस्सा शीर्ष एक प्रतिशत लोगों के पास था, वहीं 2024 तक यह बढ़कर तिरेसठ प्रतिशत से भी ऊपर पहुंच गया। इसी अवधि में आधी से अधिक आबादी के हिस्से की संपत्ति घटकर केवल एक प्रतिशत रह गई। यह आंकड़े केवल संख्या नहीं, मानवता की दिशा के संकेत हैं कि हम प्रगति के नाम पर असंतुलन का साम्राज्य खड़ा कर रहे हैं। जो विद्रोह का कारण बन रहा है, हिंसा एवं अलगाव का भी कारण बन रहा है।

जी-20 पैनल के अध्ययन के अनुसार, वर्तमान में वैश्विक स्तर पर असमानता भयावह स्तर तक जा पहुंची है। निस्संदेह, भारत भी इस स्थिति में अपवाद नहीं है। देश के सबसे अमीर एक फीसदी लोगों ने केवल दो दशक में अपनी संपत्ति में 62 फीसदी की वृद्धि की है। दुनिया की इस चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में अमीर लगातार अमीर होते जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर गरीब अभाव, तंगी एवं जहालत के दलदल से बाहर आने के लिए छटपटा रहे हैं। इस आर्थिक असमानता का ही नतीजा है कि अमीर व गरीब के बीच संसाधनों का असमान वितरण और बदतर स्थिति में पहुंच गया है। ऑक्सफैम इंडिया की रिपोर्ट बताती है कि देश के शीर्ष दस प्रतिशत लोगों के पास कुल संपत्ति का लगभग सतहत्तर प्रतिशत हिस्सा है जबकि निचले साठ प्रतिशत लोगों के हिस्से में मात्र 4.7 प्रतिशत संपत्ति आती है। बीते दशक में

अरबपतियों की संख्या दोगुनी हो गई लेकिन मजदूर, किसान और मध्यम वर्ग की आमदनी स्थिर रही या घटी। एक ओर महानगरों में गगनचुंबी इमारतें, विलासिता और अति उपभोग की चकाचौंध है, तो दूसरी ओर गाँवों और झुग्गियों में रोटी और दवा के लिए संघर्षरत लोग हैं। यही विरोधाभास हमारी विकास यात्रा का सबसे बड़ा प्रश्न बन गया है।

निस्संदेह, पैनल की हालिया रिपोर्ट नीति-निर्माताओं को असमानता के इस बढ़ते अंतर को पाटने के तरीके तलाशने और नये साधन खोजने के लिये प्रेरित करेगी। पिछले ही हफ्ते, केरल सरकार ने दावा किया था कि राज्य ने अत्यधिक गरीब तबके की गरीबी का उन्मूलन कर दिया है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने इन दावों को लेकर संदेह जताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गरीबी मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी आश्चर्यकारी सफलता के साथ आगे बढ़ रहा है। करीब 25 करोड़ लोगों को गरीब से बाहर लाया गया है। इस साल की शुरुआत में, विश्व बैंक ने भी बताया था कि भारत 2011-12 और 2022-23 के बीच 17 करोड़ लोगों को गरीबी की दलदल से बाहर निकालने में सफल रहा है। मोदी सरकार के जन-केंद्रित विकास और सामुदायिक भागीदारी के लाभों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, इस पहल ने करोडों अत्यंत गरीब परिवारों को भोजन, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका के बेहतर साधनों तक पहुंचने में मदद की है। फिर भी देश में धन-संपत्ति की असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि असंतोष और हिंसा की जड़ है। जब परिश्रमी व्यक्ति को उसका उचित मूल्य नहीं मिलता, जब समाज में अवसर और सम्मान का समान वितरण नहीं होता, तब भीतर आक्रोश और विद्रोह जन्म लेता है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी ने कहा है कि जब पूंजी की आय दर आर्थिक वृद्धि दर से अधिक हो जाती है, तब समाज में असमानता बढ़ती है और लोकतंत्र की जड़ें हिल जाती हैं। आज यही हो रहा है। आर्थिक असंतुलन से सामाजिक असंतुलन उपज रहा है, अविश्वास और द्वेष का वातावरण बन रहा है। कोरोना महामारी ने इस असमानता को और गहरा किया। जब करोड़ों लोग बेरोजगार और निर्धन हो गए, तब कुछ गिने-चुने उद्योगपतियों और कंपनियों की संपत्ति कई गुना बढ़ गई। इसका अर्थ यह है कि संकट भी अब वर्ग विशेष के लिए अवसर बन गया है। युद्धों, ऊर्जा संकट और बढ़ती महंगाई ने गरीब देशों की स्थिति को और भी कठिन बना दिया। अमीर देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने इन संकटों से भी मुनाफा कमाया जबकि विकासशील देशों में भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य की उपलब्धता घटती गई। विकास का अर्थ हमने केवल सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि तक सीमित कर दिया है। समाज में नैतिकता, समानता, सहानुभूति और पर्यावरणीय न्याय जैसे तत्व विकास की परिभाषा से गायब हो गए हैं। अमीर देशों की कंपनियां गरीब देशों के संसाधनों का दोहन करती हैं, और गरीब देशों के श्रमिक उनके उत्पादन का आधार बन जाते हैं। यह एक नया आर्थिक उपनिवेशवाद है, जहां अब सत्ता नहीं, पूंजी शासन करती है। गरीबी उन्मूलन की तस्वीर को केवल संख्याएं ही पूरी तरह नहीं उकेर सकती हैं। गरीबी कम करने के प्रयासों के दावों के मुताबिक जमीनी स्तर पर गुणात्मक बदलाव भी नजर आना चाहिए, आम जीवनस्तर उन्नत होता हुआ भी दिखना चाहिए। हालांकि, अर्थशास्त्री आमतौर पर संपत्ति कर लगाने के पक्षधर नहीं होते हैं, लेकिन सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अति-धनी लोग सरकारी खजाने में अपना उचित योगदान दें। अब चाहे कोई अमीर हो या गरीब, सबका ध्यान विकास पर केंद्रित किया जाना चाहिए। तभी देश उत्पादकता के क्षेत्र में आगे बढ़कर गरीबी उन्मूलन की दिशा में सार्थक प्रगति कर सकता है। यह पहल ही नये भारत, विकसित भारत के सपने को साकार करने में मददगार साबित हो सकती है।

धन का न्यायपूर्ण पुनर्वितरण, समान अवसर और समाजोपयोगी नीति। कर व्यवस्था ऐसी हो जो अमीरों से अधिक कर लेकर गरीबों की शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर को सुदृढ़ करे। अवसरों की समानता तभी संभव है जब शिक्षा और स्वास्थ्य सभी के लिए समान रूप से सुलभ हों। लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है ताकि नीति पूंजी के लिए नहीं, नागरिक के लिए बने।

# जनपद अध्यक्ष ने गोदावरी माइंस पर लगाए 'शोषण' और 'विकास ठप' करने के गंभीर आरोप

■ 15 साल बाद भी स्थानीय को रोजगार नहीं

**भानुप्रतापपुर।** भानुप्रतापपुर जनपद अध्यक्ष सुनाराम तेता ने गोदावरी माइंस के संचालन पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए कंपनी पर आदिवासियों के शोषण और क्षेत्र के विकास को ठप करने का बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि खदान को शुरू हुए 15 साल से अधिक समय हो जाने के बावजूद भी स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है और प्रभावित गांवों में मूलभूत विकास कार्य शून्य हैं, जिससे इलाके के विकास पर प्रश्नचिन्ह लग गया है।

**प्रमुख आरोप :** बेरोजगारी और मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी जनपद अध्यक्ष सुनाराम तेता ने मीडिया के सामने स्पष्ट तौर पर कहा कि गोदावरी माइंस आदिवासियों का शोषण कर रही है। तेता ने बताया कि माइंस के 15 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों के स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि खदान से प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले स्थानीय आदिवासी समुदाय को इसका सीधा लाभ नहीं मिल रहा है, जिससे बेरोजगारी की समस्या बढ़ती जा रही है।

**बुनियादी सुविधाओं का संकट :** अध्यक्ष ने शिकायत की कि खनन प्रभावित ग्राम पंचायतों में सड़क, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी कोई भी मूलभूत सुविधा या विकास कार्य नहीं किया जा रहा है। उनके अनुसार, इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का जीवन स्तर ऊपर नहीं उठ पाया है, जो कि कंपनी की सामाजिक जिम्मेदारी पर सवाल खड़ा करता है।

**सीएसआर और डीएमएफ फंड का कथित दुरुपयोग या अभाव :** तेता ने आरोप लगाया कि सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) और डीएमएफ (जिला खनिज फाउंडेशन) जैसे महत्वपूर्ण मदों से भी कोई विकास कार्य नहीं हो रहा है।

**उन्होंने तीखे लहजे में सवाल उठाया :** जब माइंस को संचालित होते हुए 15 साल से ज्यादा का समय हो गया है, तो सीएसआर और डीएमएफ के तहत आवंटित राशि का उपयोग स्थानीय विकास के लिए क्यों नहीं हो रहा है? उन्होंने याद दिलाया कि इन फंड्स का मुख्य उद्देश्य खनन प्रभावित क्षेत्रों के सामाजिक और आर्थिक विकास को सुनिश्चित करना होता है, लेकिन क्षेत्र में विकास कार्य नहीं दिख रहे हैं।

**आदिवासियों के शोषण का सीधा आरोप और चेतावनी :** जनपद अध्यक्ष ने गोदावरी माइंस पर आदिवासियों के शोषण का सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि कंपनी स्थानीय समुदाय को उसके अधिकारों से वंचित कर रही है और अपने फायदे के लिए क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों का केवल दोहन कर रही है। उन्होंने कंपनी प्रबंधन को सख्त चेतावनी दी है। तेता ने कहा कि यदि कंपनी ने जल्द ही प्रभावित युवाओं को रोजगार देने और मूलभूत विकास कार्य शुरू नहीं किए, तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं और स्थानीय समुदाय विरोध प्रदर्शन के लिए मजबूर होगा।

## श्रमिकों के पंजीयन के लिए मोबाईल कैम्प का आयोजन

**कोंडागांव।** श्रमिकों को सरकार की योजनाओं को लाभ दिलाने के लिए पंजीयन एवं नवनीकरण की प्रक्रिया जारी है। कोण्डागांव जिले के विभिन्न विकासखण्डों में श्रम विभाग के द्वारा मोबाइल कैम्प लगाकर श्रमिकों का पंजीयन, नवीनीकरण एवं योजनाओं का आवेदन प्राप्त कर निराकरण किया जाएगा। पंजीयन, नवीनीकरण हेतु आवश्यक मूल दस्तावेज आधारकार्ड (परिवार के सभी सदस्यों का), राशन कार्ड, बैंक पासबुक, मोबाईल साथ लाना होगा एवं असंगठित कर्मकार के पंजीयन हेतु आय प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है। श्रम पदाधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रमिक पंजीयन हेतु मोबाईल कैम्प का आयोजन फरसगांव विकासखण्ड में 13 नवंबर 2025 को ग्राम सिंगारपुरी में, केशकाल विकासखण्ड के ग्राम निराछिंदली में और बड़ेराजपुर विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम छोटेमालगांव में, 19 नवंबर 2025 को फरसगांव विकासखण्ड के ग्राम गट्टीपलना में, केशकाल विकासखण्ड के ग्राम प्रधानचेर्रा में और बड़ेराजपुर विकासखण्ड के ग्राम खल्लारी में किया जाएगा।

# सोनाबाल के छात्र-छात्राओं ने जोन स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी एवं पश्चिम भारत विज्ञान मेला स्पर्धा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

**कोण्डागांव।** जगतु महारा शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जगदलपुर में गुरुवार 6 नवम्बर को जोन स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी एवं पश्चिम भारत विज्ञान मेला का आयोजन किया गया जिसमे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनाबाल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की है। व्याख्याता रुकमणी ठाकुर, मुरित राम खुसरो, तुलसी साहू एवं युवराज सिंह बैध के मार्गदर्शन में कक्षा 11 वी की छात्रा कुमारी भाविषा नेताम ने बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में सतत कृषि के विषय में अपना मॉडल प्रस्तुत कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 12वीं की छात्रा कुमारी चंद्रिका बघेल ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में द्वितीय स्थान एवं कक्षा 12वी के छात्र खिरेन्द्र सेठिया व कुलेश्वर सोढ़ी ने प्रश्न मंच प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया! जिससे इन सभी छात्र -छात्राओं को 12 से 15 नवंबर तक जशपुर मे आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ इस उपलब्धि पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनाबाल के प्राचार्य यजेंद्र नाथ मांझी एवं समस्त स्टाफ, संकुल केन्द्र सोनाबाल एवं ग्राम वासियों ने बहुत बहुत बधाईयां देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

# कलेक्टर ने धान खरीदी की तैयारी को लेकर ग्राम मसौरा का किया दौरा

**कोण्डागांव।** कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने खरीफ विपणन वर्ष 2025 अंतर्गत धान खरीदी की तैयारी को लेकर ग्राम पंचायत मसौरा में किसानों के पंजीयन कार्य का निरीक्षण किया और पंजीयन में तेजी लाने हेतु संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने पंचायत भवन में किसानों से चर्चा की और मौके पर पंजीयन कार्य में आ रही समस्याओं को बारीकी से चेक कर निराकरण के निर्देश दिए गए। साथ ही ऑनलाइन पंजीयन के चरणों में तकनीकी दिक्कतें आने पर शासन स्तर के टेक्निकल टीम से इसका निराकरण करवाने हेतु उन समस्याओं को सूची बनाने के निर्देश दिए गए।

## स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को बीएलओ ने सौंपा ईएफ फॉर्म

**रतनपुर।** भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में चल रहे मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत रतनपुर क्षेत्र के भाग संख्या 134 के बूथ लेवल अधिकारी बीएलओ चौथ कुमार पटेल द्वारा स्वास्थ्य मंत्री एवं मनेन्द्रगढ़ विधायक श्याम बिहारी जायसवाल को गणना पत्रक प्रदान किया गया। इस अवसर पर मंत्री जायसवाल ने लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने वाले इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना लोकतंत्र में उसकी सशक्त भागीदारी का प्रतीक है। उन्होंने सभी पात्र नागरिकों से अपील की कि वे समय रहते मतदाता सूची में अपना नाम जोड़ें, सुधार कराएं या आवश्यक परिवर्तन करवाएं ताकि आगामी चुनावों में वे अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें।

# विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

**कोण्डागांव।** भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार जिले में चले रहे निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान का कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नुपूर राशि पन्ना ने निरीक्षण किया। कलेक्टर ने आलबेड़ापारा में बीएलओ से कार्य की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की और सुचारू रूप से सत्यापन कार्य संपन्न कराने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने एक मतदाता के घर पहुंचकर सीधा संवाद किया और बीएलओ द्वारा गणना पत्रक वितरण और बीएलओ एप में आवश्यक जानकारी भरने की प्रक्रिया को देखा। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, एडीएम चित्रकांत चार्ली ठाकुर, एसडीएम अजय उरांव, तहसीलदार मनोज रावटे उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि विशेष गहन परीक्षण (एसआईआर) अभियान 4 दिसंबर 2025 तक रहेगा। इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यतन, त्रुटिरहित और सटीक बनाना है।

## कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों को मिली बड़ी मंजूरी

### वित्त विभाग ने स्वीकृत किए 482 करोड़ रूपए से अधिक

**जशपुर।** जशपुर जिले के कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति देने हेतु वित्त विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कुल 482 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के विभिन्न परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है। इन योजनाओं के क्रियान्वयन से क्षेत्र में सिंचाई, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और सड़क विकास को महत्वपूर्ण बल मिलेगा। विकासखंड फरसाबहार में स्थित कोकिया व्यपवर्तन योजना के लिए 16.17 करोड़ रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति वित्त विभाग द्वारा प्रदान की गई है। इस योजना से स्थानीय कृषि क्षेत्र को सिंचाई सुविधा में सुधार एवं जल संसाधन प्रबंधन में स्थायित्व प्राप्त होगा। कुनकुरी विधानसभा में प्रस्तावित नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के भवन निर्माण हेतु 359 करोड़ रुपए की सैद्धांतिक सहमति वित्त विभाग द्वारा प्रदान की गई है। इस महत्वपूर्ण स्वीकृति से जशपुर जिले और आस-पास के क्षेत्रों में चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को नया आयाम मिलेगा। विकासखंड कांसाबेल की मैनी नदी पर प्रस्तावित बगिया बैराज सह - दाब युक्त उद्वहन सिंचाई योजना हेतु 79.38 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस योजना से सिंचाई क्षेत्र में विस्तार होगा तथा कृषकों को वर्षभर जल उपलब्धता सुनिश्चित होगी। कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र में तुमला से मेडर (ओडिशा सीमा) तक 12.80 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण कार्य हेतु 27.73 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति वित्त विभाग द्वारा दी गई है। इस मार्ग के निर्माण से अंतर्राज्यीय संपर्क बेहतर होगा तथा ग्रामीण अंचलों में परिवहन और व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

# महापौर ने सफाई व्यवस्था सुधारने दिए निर्देश, कहा सफाई सुधारना उनकी प्राथमिकता

**रायपुर।** रायपुर शहर की सफाई व्यवस्था को राजधानी शहर के अनुरूप सुधारने अब नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे ने वार्ड पार्षदों से वार्डों का निरीक्षण करने की अपील की है। महापौर ने कहा है कि वे हर माह पार्षदों सहित सफाई को सुधारने वार्डों का निरीक्षण करने फील्ड पर उतरेंगी। महापौर ने पार्षदों को सफाई कार्य को सुधारने राजधानी शहर में लगातार सजग और जागरूक रहने का सुझाव जनहित में दिया है। महापौर मीनल चौबे नगर निगम जोन 4, जोन 5 और जोन 7 कार्यालय पहुंचीं एवं नगर निगम स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष जोन 4 अध्यक्ष मुरली शर्मा, जोन 5 अध्यक्ष अम्बर अग्रवाल, जोन 7 अध्यक्ष श्वेता विश्वकर्मा, एमआईसी सदस्य सुमन अशोक पाण्डेय, मनोज वर्मा, दीपक जायसवाल, भोलाराम साहू, अमर गिदवानी, पार्षद दुर्गा यादराम साहू, मीना ठाकुर, आशु चंद्रवंशी, कृष्णा सोनकर, आनंद अग्रवाल, अजय साहू, पार्षद प्रतिनिधि सोनू तिवारी, संतोष हियाल, प्रकाश जगत, जोन 4 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव, जोन 5 जोन कमिश्नर खीरसागर नायक, जोन 7 जोन कमिश्नर श्री राकेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता सर्वश्री शेखर सिंह, लाल महेंद्र प्रताप सिंह, ईश्वर लाल टावरे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी वीरेन्द्र चंद्राकर, सन्दीप वर्मा, आत्मानंद साहू, अन्य सम्बंधित जोन 4,5 और जोन 7 अधिकारियों, रामकी कम्पनी के स्थानीय अधिकारी प्रतिनिधि की उपस्थिति में सफाई कार्य को लेकर समीक्षा कर सफाई व्यवस्था राजधानी के अनुरूप सुधारने वार्ड पार्षदों से चर्चा कर सुझाव लिए और अधिकारियों को अनेक निर्देश दिए। महापौर मीनल चौबे ने कहा कि सफाई कार्य उनकी प्राथमिकता है और सभी घरों से प्रतिदिन शत - प्रतिशत डोर टू डोर कचरा कलेक्शन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। महापौर ने सभी नियमित और ठेका सफाई कामगारों की ड्यूटी पर शत-प्रतिशत संख्या में निर्धारित समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने निर्देशित किया है। महापौर ने कहा कि सफाई व्यवस्था सुधार कार्य में कोई कोताही कदापि सहन नहीं की जाएगी। सफाई करने और कचरा उठाने को लेकर कोई बहानेबाजी नहीं चलेगी, प्रतिदिन शहर का कचरा उठना चाहिए। शहर राजधानी के अनुरूप साफ दिखना चाहिए, इसके लिए सभी आवश्यक सख्त कदम उठाने के निर्देश महापौर ने दिए है। महापौर ने जोन 5 क्षेत्र अंतर्गत भाठागांव में प्रधानमंत्री आवास योजना परिसर चन्दन विहार, ब्रम्हविद स्कूल में विगत 15 दिन से डोर टू डोर कचरा कलेक्शन नहीं होने पर गहन नाराजगी व्यक्त कर प्रतिदिन सभी स्थानों से डोर टू डोर कचरा कलेक्शन करना हर हाल में सुनिश्चित करने दुकानदारों को सफाई के प्रति जागरूक बनाकर सभी दुकानों में अनिवार्य रूप से डस्टबिन रखवाने, पार्षदों के साथ समन्वय बनाकर वार्डों की सफाई व्यवस्था सुधारने, के निर्देश दिए हैं।

# जशपुर में चमका कोरिया का 'अमृत ब्रांड' : बिहान की दीदियों के हुनर ने जीता लोगों का दिल, बिक्री ने बढ़ाया आत्मविश्वास

**जशपुर।** जशपुर जिले के मायाली पर्यटन स्थल में 06 से 09 नवम्बर तक आयोजित जम्बूरी महोत्सव एवं बिहान क्षेत्रीय सरस मेले में कोरिया जिले के 'कोरिया अमृत' ब्रांड ने अपनी विशिष्ट पहचान दर्ज कराई। मेले में कोरिया जिले की महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए पारंपरिक और पौष्टिक उत्पादों ने खरीदारों का ध्यान आकर्षित करते हुए बिक्री में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। मेले में कोरिया अमृत मोदक लड्डू, कोरिया अमृत अचार एवं सुगंधित चावल सहित विभिन्न उत्पादों की मांग विशेष रूप से बढ़ी। स्वाद, गुणवत्ता और घर की पारंपरिक विधि से निर्मित होने के कारण खरीदारों ने इन उत्पादों की जमकर प्रशंसा की। ग्राम पंचायत आनी के ज्योति एवं माँ शारदा महिला स्व-सहायता समूह ने कोरिया अमृत मोदक लड्डू बेचकर 45,000 रुपए का व्यवसाय किया। ग्राम पंचायत छिंदिया के जागृति महिला स्व-सहायता समूह ने कोरिया अमृत अचार की बिक्री द्वारा 24,000 रुपए से अधिक की आय अर्जित की। महिला युग एफपी.सी. द्वारा सुगंधित चावल की बिक्री से 12,000 रुपए का कारोबार हुआ।

इस प्रकार 80 हजार रूपए से अधिक की बिक्री दर्ज की गई, जो कोरिया जिले इन महिलाओं को आत्मविश्वास को और मजबूत किया है। मेले में कमिश्नर सरगुजा, कलेक्टर जशपुर सहित अन्य अधिकारियों ने 'कोरिया अमृत' स्टॉल का निरीक्षण करते हुए उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना की तथा स्वयं खरीदारी भी की।

इससे समूहों का उत्साह और भी बढ़ा। कोरिया कलेक्टर चंदन त्रिपाठी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में कोरिया जिले के महिला स्व-सहायता समूहों को विपणन, पैकेजिंग और ब्रांडिंग से जोड़कर नए बाजार उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कोरिया की महिलाएँ अब 'लखपति दीदी' बनने की दिशा में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही हैं।

**25 साल पहले, जिस बैंक में थे अधिकारी, उसके पूर्व अधिकारियों, सेवायुक्तों के संगठन द्वारा डॉ. राजाराम त्रिपाठी हुए सम्मानित**

# पहला हमर गौरव सम्मान डॉ. राजाराम त्रिपाठी को, बैंक सेवा से जैविक क्रांति तक का प्रेरक सफर

**कोण्डागांव।** छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक रिटायरीज एसोसिएशन, उत्तर बस्तर कांकेर इकाई द्वारा आयोजित पारिवारिक पुनर्मिलन समारोह इस बार एक ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बना, जब पहली बार दिया गया हमर गौरव सम्मान प्रदेश की सांस्कृतिक अस्मिता और छत्तीसगढ़ी भाषा की आत्मा को उजागर करता हुआ विशिष्ट व्यक्तित्व डॉ. राजाराम त्रिपाठी को प्रदान किया गया। यह सम्मान छत्तीसगढ़ी माटी की गंध, भाषा की गरिमा और कर्मभूमि की श्रद्धा को समर्पित प्रतीक के रूप में स्थापित किया गया है। इस अवसर पर डॉ. त्रिपाठी के साथ अलखराम सिन्हा और डॉ. लक्ष्मीनारायण खोब्रागड़े को भी शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। यह आयोजन पूर्ववर्ती बस्तर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं कर्मचारियों का आत्मीय पारिवारिक पुनर्मिलन था, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 180 अधिकारी-कर्मचारी अपने परिवारजनों सहित सम्मिलित हुए। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ.राजाराम त्रिपाठी पूर्व में बस्तर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के अधिकारी रहे हैं, जिन्होंने बैंक अधिकारी की प्रतिष्ठापूर्ण नौकरी से त्यागपत्र देकर जैविक खेती, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में अपने विशिष्ट कार्यों तथा उपलब्धियों से योगदान से राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई। वे माँ दंतेश्वरी ऑर्गेनिक हर्बल फार्म और सेंट्रल हर्बल एग्रो मार्केटिंग फे डरेशन ऑफ इंडिया के संस्थापक एवं अध्यक्ष हैं। साथ ही वो नेशनल मेडिसिनल प्लांट बोर्ड, आयुष-मंत्रालय भारत सरकार के तथा 'भारतीय गुणवत्ता संस्थान' की कृषि मशीनरी समिति के सदस्य हैं। उनके द्वारा विकसित उच्च उत्पादकता वाली काली मिर्च की किस्म माँ दंतेश्वरी ब्लैक पेपर-16 ने किसानों को नई दिशा दी है। उनका अभिनव नेचुरल ग्रीनहाउस प्रोजेक्ट प्लास्टिक पॉलीहाउस का प्राकृतिक और किफायती विकल्प बन चुका है। उनके योगदान के लिए उन्हें ग्लोबल ग्रीन वॉरियर, अर्थ हीरो अवॉर्ड, विभूति अलंकार और कबीर साहित्य सम्मान जैसे अनेक सम्मान प्राप्त हुए हैं। अपने संबोधन में डॉ. त्रिपाठी ने कहा, बैंक की सेवा ने मुझे कर्म और अनुशासन सिखाया, और यही संस्कार आगे चलकर मेरे जीवन का मार्गदर्शक बना। बैंक ने मुझे परिवार दिया, और खेती ने मुझे पहचान। बैंक की नौकरी छोड़ने की 25 वर्ष के बाद भी उन्होंने मंच से 50 से ज्यादा सीनियर्स व सहकर्मियों को पहचानते हुए उन्हें सीधे उनके नाम से संबोधित कर, उनसे संबंधित पुराने संस्मरणों को सुनाकर सबको चकित तथा भावविभोर कर दिया। उन्होंने कहा कि यूं तो उन्हें कई पुरस्कार प्राप्त हुई है किंतु जिस संस्था में उन्होंने कितने वर्ष काम की उसे संस्था के द्वारा आज 25 वर्ष बाद सम्मानित किया जाना उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि कोंडागांव स्थित माँ दंतेश्वरी हर्बल फार्म, चिखलपुट्टी में शीघ्र ही व्यक्तिगत स्तर पर रिटायरीज साथियों का एक आत्मीय पुनर्मिलन आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर सेवानिवृत्त एजीएम सत्येंद्र पांडे ने घोषणा की कि आगामी पुनर्मिलन जगदलपुर में आयोजित किया जाएगा, वहीं रायपुर से पधारे सहायक महाप्रबंधक अमरजीत सिंह खनूजा ने रायपुर में भी इसी वर्ष कार्यक्रम करने की बात कही। सत्येंद्र कुमार पांडे, चित्रलेखा साहू, कमलेश कुंदन, संजय द्विवेदी, अनूप तिवारी, डी.के. ध्रुव एवं रमेश सिंह को विशिष्ट अतिथि सम्मान प्रदान किया गया। रिटायरीज एसोसिएशन के महासचिव पी.के. राघव ने उपस्थित साथियों से अपील की कि वे बैंक के विकास में सहयोग के रूप में कम से कम एक हाउसिंग लोन रेफरल अवश्य दें और बड़े लोन या डिपॉजिट के लिए भी प्रयास करें। इस प्रस्ताव का सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से समर्थन किया। बैंक परिवारजनों द्वारा प्रस्तुत गीत-संगीत ने पूरे वातावरण को आत्मीय बना दिया।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि शिप्रा त्रिपाठी के गाए मधुर गीत ने तथा वीथिका कर के लोकगीत ने उल्लेखनीय रूप से लोगों की तालियां बटोरी। आयोजन में सभी अतिथियों के लिए उत्कृष्ट जलपान और भोजन की व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लक्ष्मीनारायण खोब्रागड़े ने किया और अध्यक्षता अलखराम सिन्हा ने की। आयोजन को सफल बनाने में अवध राम साहू, वीरेंद्र साहू, सनातन राम नाग, नील कुमार वटी और नारायण राम नेताम सहित अन्य सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा।

## आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद के लिए आवेदन आमंत्रित

**कोण्डागांव।** एकीकृत बाल विकास परियोजना कोण्डागांव द्वारा सेक्टर बनियागांव अंतर्गत ग्राम पंचायत लेमड़ी के आंगनबाड़ी केन्द्र लेमड़ी पिकड़भाटा में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है। इच्छुक आवेदिका आवेदन पत्र समस्त प्रमाण पत्रों सहित कार्यालय परियोजना अधिकारी, एकीकृत महिला एवं बाल विकास परियोजना कोण्डागांव में कार्यालयीन समय में 21 नवंबर 2025 तक जमा कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए संबंधित ग्राम पंचायत और पर्यवेक्षक एवं परियोजना कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### कलेक्टर ने एक-एक करके सभी आवेदकों की सुनी विनती

**गौरेला पेंड्रा।** प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाले साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 23 लोगों ने अपनी समस्याओं और मांगों के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने एक-एक करके सभी आवेदकों की विनती सुनी और उनके आवेदनों की जांच एवं त्वरित कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने ऐसे प्रकरण जिनमें न्यायालय का आदेश हुआ है और अपील का प्रावधान है, के लिए अपील करने कहा। जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों में शासकीय भूमि के फौती नामांतरण के आदेश को निरस्त करने, सूचना का अधिकार के तहत चाही गई जानकारी नि:शुल्क प्रदाय करने, मुआवजा एवं सीमांकन, अवैध रूप से काबिज जमीन से हक छोड़ने, कब्जा हटाने, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के मजदूरी भुगतान में हेराफेरी तथा अनियमितता की जांच कराने, ईलाज के लिए आर्थिक सहायता, निराश्रीत पेंशन, सीमांकन, आरबीसी 6-4 के तहत मुआवजा दिलाने आदि से संबंधित आवेदन शामिल हैं।

### डाक जीवन बीमा के माध्यम से बीमित परिवार को मिला आर्थिक संबल

**बिलासपुर।** डाक विभाग की डाक जीवन बीमा योजना के अंतर्गत बीमाधारक श्री मुनेश्वर प्रसाद द्वारा प्रतिमाह 2456 रुपए का प्रीमियम 10 माह तक नियमित रूप से जमा किया गया था। दुर्भाग्यवश उनकी आकस्मिक मृत्यु होने पर, उनके नॉमिनी श्रीमती सुखमनी एवं श्री लक्ष्मी प्रसाद को विभाग द्वारा 10,51,974 रुपए (पूरे बीमाधन सहित बोनस) की राशि चेक के माध्यम से प्रधान डाकघर जांजगीर में प्रदान की गई। यह चेक अधीक्षक डाकघर बिलासपुर संभाग, श्री विनय कुमार प्रसाद द्वारा किया गया। इस अवसर पर सहायक अधीक्षक (दौरा), बिलासपुर श्री अरुण तिवारी, उपसंभागीय निरीक्षक जांजगीर उपसंभाग श्री निखिल गोपाल, पोस्टमास्टर जांजगीर श्री राजेश कुमार स्वर्णकार, धीरेंद्र राठौर, अमित कौशिक, जोगिंदर धृतलहरे एवं अन्य स्टाफ उपस्थित थे। इस भुगतान ने डाक जीवन बीमा योजना की विश्वसनीयता और पारदर्शिता को फिर एक बार साबित किया। डाक जीवन बीमा — हर कदम पर सुरक्षा का भरोसा।

### युवाओं में देशभक्ति का जोश, गूंजे 'वंदे मातरम' के नारे

**बिलासपुर।** केंद्रीय मंत्री श्री तोखन साहू सहित सभी अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर यूनिटी मार्च का शुभारंभ किया। सरदार पटेल की भव्य प्रतिमा के साथ रथ निकाली गई। जिसमें सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया। युवाओं ने 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' और 'सरदार पटेल अमर रहें' के नारे लगाते हुए मुख्य मार्गों पर पदयात्र की और एकता का संदेश दिया नेहरू चौक पर रैली का भव्य स्वागत किया गया, यहां से सैकड़ों छात्र 100 मीटर तिरंगा लेकर रैली में शामिल हुए। युवाओं का जोश और उत्साह देखते ही बनता था। शहर के विभिन्न मार्गों पर नागरिकों ने फूल-मालाओं और पुष्प वर्षा से रैली का स्वागत किया। गोलबाजार में बिलासा दाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया, रैली चांटीडीह से होते हुए सबरी महाविद्यालय पहुंची।

### शासकीय माता सबरी महाविद्यालय में हुआ समापन

**बिलासपुर।** विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए यूनिटी मार्च का समापन सबरी महाविद्यालय परिसर में हुआ।यहां स्वच्छता दीदियों का सम्मान किया गया और अतिथियों ने महिला समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर स्वदेशी अपनाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में युवाओं को सरदार पटेल के जीवन, उनके योगदान और उनकी प्रेरक जीवनी के विषय में जानकारी दी गई। केंद्रीय मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि भारत निर्माण में सरदार पटेल के योगदान का देश सदैव ऋणी रहेगा, बिल्हा विधायक श्री धरम लाल कौशिक और बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने अपने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत सरकार ने सरदार पटेल जयंती की 150 वीं वर्षगांठ को देशभर में उत्साह से मनाने का निर्णय लिया है जो उनके भारत निर्माण में योगदान का सम्मान है।

## एकता के रंग में रंगा बिलासपुर

# सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर हुआ भव्य यूनिटी मार्च

■ केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने की अगुआई, कहा सरदार पटेल का व्यक्तित्व भारत की एकता अखंडता का प्रतीक

**बिलासपुर।** भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर बिलासपुर शहर में भव्य यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया। तिफरा स्थित मां काली मंदिर परिसर से केंद्रीय मंत्री श्री तोखन साहू, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, बिलासपुर विधायक श्री अमर अग्रवाल, बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी श्री रजनेश सिंह, सीईओ संदीप अग्रवाल मौजूद रहे। इस अवसर पर हजारों युवाओं ने उत्साह से रैली में भाग लिया और देश की एकता, अखंडता तथा राष्ट्रीय एकजुटता का सशक्त संदेश दिया। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू व सभी अतिथियों ने माता काली के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद लिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरदार पटेल भारत की अखंडता के प्रतीक हैं मां काली के आशीर्वाद से यह रैली निकली है, जो देश की निर्भयता, निडरता और एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल वह व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने 561 रियासतों को जोड़कर आधुनिक भारत की एकता का मजबूत ढांचा खड़ा किया, यह रैली उन्हें समर्पित है। बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने कहा कि सरदार पटेल आधुनिक भारत के शिल्पी हैं। उनकी दूरदर्शिता और दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण आज हम एक सशक्त और एकजुट राष्ट्र के रूप में खड़े हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सरदार पटेल के आदर्शों को अपनाते हुए देश निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। केंद्रीय मंत्री श्री तोखन साहू सहित सभी अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर यूनिटी मार्च का शुभारंभ किया। सरदार पटेल की भव्य प्रतिमा के साथ रथ निकाली गई। जिसमें सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया। युवाओं ने 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' और 'सरदार पटेल अमर रहें' के नारे लगाते हुए मुख्य मार्गों पर पदयात्र की और एकता का संदेश दिया नेहरू चौक पर रैली का भव्य स्वागत किया गया, यहां से सैकड़ों छात्र 100 मीटर तिरंगा लेकर रैली में शामिल हुए। युवाओं का जोश और उत्साह देखते ही बनता था। शहर के विभिन्न मार्गों पर नागरिकों ने फूल-मालाओं और पुष्प वर्षा से रैली का स्वागत किया। गोलबाजार में बिलासा दाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया, रैली चांटीडीह से होते हुए सबरी महाविद्यालय पहुंची। विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए यूनिटी मार्च का समापन सबरी महाविद्यालय परिसर में हुआ।यहां स्वच्छता दीदियों का सम्मान किया गया और अतिथियों ने महिला समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर स्वदेशी अपनाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में युवाओं को सरदार पटेल के जीवन, उनके योगदान और उनकी प्रेरक जीवनी के विषय में जानकारी दी गई। केंद्रीय मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि भारत निर्माण में सरदार पटेल के योगदान का देश सदैव ऋणी रहेगा, बिल्हा विधायक श्री धरम लाल कौशिक और बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने अपने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत सरकार ने सरदार पटेल जयंती की 150 वीं वर्षगांठ को देशभर में उत्साह से मनाने का निर्णय लिया है जो उनके भारत निर्माण में योगदान का सम्मान है। कार्यक्रम में माय भारत के जिला अधिकारी श्री दिनेश यादव, पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष श्रीमती हर्षिता पांडे, राष्ट्रीय सेवा योजना राज्य समन्वयक श्री मनोज सिन्हा, शिक्षा विभाग के अधिकारी, खेल संघों के पदाधिकारी, खिलाड़ी, महिला समूह, एनएसएस, स्काउट, राष्ट्रीय सेवा योजना, रेडक्रॉस, युवोदय, सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य, महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में शामिल हुए।

# स्वास्थ्य केंद्रों का कलेक्टर ने किया गया औचक निरीक्षण..

■ टीकाकरण से एक भी बच्चा छूटना नहीं चाहिए, उच्च जोखिम वाले गर्भवती महिलाओं पर रखें विशेष ध्यान :

**गौरेला पेंड्रा मरवाही।** कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने सोमवार को उप स्वास्थ्य केंद्र निमधा और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिवनी का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य कर्मियों की समय पर उपस्थिति, स्वास्थ्य सुविधाएं, रखरखाव आदि का अवलोकन किया। उन्होंने निमधा स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव कक्ष में साफ-सफाई, गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, टीकाकरण, विभिन्न पंजियों का संधारण, दवाईयों की उपलब्धता और आरसीएच रजिस्टर में दर्ज विवरणों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि टीकाकरण से एक भी बच्चा छूटना नहीं चाहिए। उच्च जोखिम वाले गर्भवती महिलाओं पर विशेष ध्यान रखें और गर्भवती महिलाओं की सूची आंगनबाड़ी केंद्रों को भी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि आयरन, कैल्सियम दवा का वितरण करने के बाद उसका सेवन भी सुनिश्चित होना चाहिए। उन्होंने अस्पताल में भर्ती जच्चा-बच्चा से मिलकर उनका हालचाल भी पूछा। इसी तरह स्वास्थ्य केंद्र सिवनी में पदस्थ स्टॉफ लैब में उपलब्ध सुविधाएं, प्रसव वार्ड, दवा वितरण, औषधि भंडार कक्ष एवं वैक्सिन भंडारण कक्ष का निरीक्षण किया और दवाईयों की एक्सपाईरी डेट की जांच भी की। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों के रखरखाव और बेहतर चिकित्सा सुविधा और बेहतर संचालन के लिए निर्देश दिए।

# बी.एस.सी. चतुर्थ वर्ष के छात्रों का छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम,सेंदरी में शैक्षणिक भ्रमण...

**बिलासपुर।** कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, लोरमी-मुंगेली के बी.एस.सी. (कृषि) चतुर्थ वर्ष के छात्र-छात्राओं द्वारा ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। यह भ्रमण अधिष्ठाता डॉ. एस.एल. स्वामी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम, सेंदरी में सम्पन्न हुआ। भ्रमण के दौरान छात्रों को बीज उत्पादन एवं प्रमाणन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि निगम द्वारा राज्य में कृषि प्रक्षेत्रों पर प्रजनक एवं आधार बीज का उत्पादन किया जाता है। साथ ही प्रमाणित बीजों को किसानों तक समय पर एवं उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी निगम द्वारा निभाई जाती है।छात्रों को यह भी बताया गया कि निगम द्वारा न केवल उन्नत बीज उत्पादन और उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है, बल्कि किसानों को बीज उत्पादन कार्यक्रम के लिए तकनीकी मार्गदर्शन, आवश्यक सहायता एवं कृषक हितैषी कृषि उपकरण भी सुलभ कराए जाते हैं। इसके अतिरिक्त बीज प्रमाणीकरण की प्रक्रिया में भी यह केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है, जिससे गुणवत्तायुक्त बीज किसानों तक पहुँच सकें।छात्रों ने इस भ्रमण से बीज उत्पादन प्रणाली, बीज भंडारण, गुणवत्ता नियंत्रण, प्रसंस्करण तकनीक एवं आधुनिक बीज प्रबंधन प्रक्रिया के बारे में व्यवहारिक जानकारी अर्जित की। इस अवसर पर संबंधित संकाय सदस्य एवं ग्रामीण कार्यक्रम के प्रभारी भी उपस्थित रहे।

# यूनिटी मार्च में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स बिलासपुर की उत्साहपूर्ण सहभागिता,गूंजे एकता और आत्मनिर्भरता के नारे

**बिलासपुर।** सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आज यूनिटी मार्च का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता, अखंडता और आत्मनिर्भरता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। मार्च का शुभारंभ नेहरू चौक से हुआ, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए वाल्मीकि चौक तक पहुँचा। इस अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला संघ बिलासपुर के स्काउटर, गाइडर, स्काउट्स ,गाइड्स, रोवर्स एवं रेंजर्स ने पूर्ण अनुशासन, जोश और देशभक्ति के साथ सहभागिता की। स्काउट-गाइड सदस्य तिरंगा ध्वज के साथ कदमताल करते हुए एक भारत, श्रेष्ठ भारत स्वदेशी अपनाएं, आत्मनिर्भर भारत बनाए और विविधता में एकता हमारी पहचान जैसे नारों से वातावरण को राष्ट्रप्रेम और एकता के रंग में रंगते नजर आए। मार्च के दौरान स्काउट-गाइड्स ने नागरिकों को स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग, आत्मनिर्भरता, और सामूहिक सहयोग के महत्व के प्रति प्रेरित किया। प्रतिभागियों ने सरदार पटेल के योगदानों को याद करते हुए यह संकल्प लिया कि वे सदैव देश की एकता और प्रगति के लिए समर्पित रहेंगे। यह कार्यक्रम जिला शिक्षा अधिकारी श्री विजय कुमार टांडे एवं राज्य संगठन आयुक्त स्काउट श्री विजय यादव जी, सहायक संचालक श्रीमती वर्षा शर्मा के मार्गदर्शन में पूर्ण हुआ ।

# जनजातीय गौरव दिवस पर 15 नवम्बर को जिला स्तरीय कार्यक्रम के संबंध में कलेक्टर ने दिए निर्देश

■ समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होने से पहले उपार्जन केंद्रों में सम्पूर्ण व्यवस्था हो सुनिश्चित

**गौरेला पेंड्रा मरवाही।** साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने जनजातीय गौरव दिवस पर 15 नवम्बर को जिला स्तरीय कार्यक्रम के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार इस वर्ष 2025 को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में पूरे देश में 1 नवम्बर से 15 नवम्बर तक जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा और 15 नवम्बर को जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। इस दौरान जनजातीय ग्रामों में विशेष कैंप (लाभार्थी संतृप्ति शिविर) का आयोजन कर आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री जनधन खाता, जाति प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड आदि के संतृप्तिकरण के लिए सेवा प्रदाय एवं वितरण, सिकलसेल जांच एवं स्वास्थ्य परीक्षण करने कहा। उन्होंने शासकीय कार्यालयों, संस्थानों, आश्रम, छात्रावास एवं आवासीय विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित करने, जिले के सभी आदि सेवा केंद्र में गौरव दिवस का आयोजन करने, प्रभातफेरी, जनजागरूकता यात्रा, विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि भी आयोजित करने कहा। कलेक्टर ने आगामी 15 नवम्बर से समर्थन मूल्य पर किसानों से धान खरीदी के लिए सभी उपर्जान केंद्रों में सम्पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करने नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही कहा कि धान विक्रय हेतु सभी पंजीकृत किसानों का पंजीयन एग्रीस्टैक पोर्टल में भी अनिवार्य है। छूटे हुए सभी किसानों का पंजीयन एग्रीस्टैक पोर्टल में अनिवार्य रूप से कराएं। कलेक्टर ने जनसमस्याओं एवं जनशिकायतों के निराकरण की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण, पर्यटन गतिविधियों के विकास हेतु भूमि उपलब्ध कराने, कोटवारों द्वारा संधारित मुसाफिरी पंजी को अद्यतन करने, पीएम जनमन योजना के तहत स्वीकृत आवासों को शीघ्र पूर्ण करने, अविद्युतीकृत घरों में विद्युतीकरण, नल से जल आपूर्ति के साथ ही सभी विभागों के हितग्राहीमूलक योजनाओं से संतृप्त करने और जनसमस्याओं-जनशिकायतों के लंबित प्रकरणों को समय-सीमा के भीतर निराकृत करने कहा।

# दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश द्वारा बिलासपुर-रायगढ़ रेल खंड का विंडो निरीक्षण

■ महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने संरक्षा सेमिनार में शामिल होकर बेहतर समन्वय,जिम्मेदारी एवं संरक्षा नियमों का पालन के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किये

■ रायगढ़ स्टेशन में हो रहे विकास कार्यों, रनिंग रूम, लॉबी तथा चक्रधर नगर में बन रहे हट केबिन(ब्लॉक) केबिन का भी निरीक्षण कर जायजा लिए

**बिलासपुर।** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने आज बिलासपुररायगढ़ रेलखंड का विंडो निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेलखंड पर ट्रैक मेंटेनेंस, सिग्नलिंग सिस्टम, कर्व, ब्रिज, समपार फाटक एवं क्रॉसिंग पॉइंट्स आदि की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान गति प्रतिबंधों, संरक्षा मानकों एवं परिचालन से संबंधित विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की गई। महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश, रायगढ़ के रेलवे इंस्टिट्यूट में स्वच्छ से बचाव विषय पर आयोजित संरक्षा सेमिनार में विशेष रूप से उपस्थिति हुए। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने रेल संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सभी विभागों को बेहतर समन्वय एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। सेमिनार में लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, गार्ड तथा संरक्षा से जुड़े रेल पथ, सिग्नल आदि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। महाप्रबंधक ने कहा कि संरक्षा मानकों का पालन प्रत्येक स्तर पर सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने फील्ड में कार्यरत कर्मचारियों को नवीन तकनीकों का उपयोग कर दक्षता बढ़ाने तथा दुर्घटनारहित संचालन सुनिश्चित करने की भी सलाह दी। महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने लोको पायलट, सहायक लोको पायलट तथा गार्ड के परिवार के सदस्यों से वार्तालाप उनके परिवार की स्थिति के बारे में जानकारी ली तथा उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने सेमिनार में उपस्थित सभी लोको पायलट, सहायक लोको पायलट को ड्यूटि के दौरान सिग्नल को दूर से अनुमान लगाने की कोशिश ना करने एवं सिग्नल की दृश्यता को ध्यान में रखते हुए मानक नियमों के अनुरूप कार्य करने की महत्वपूर्ण सलाह दिए। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण, सतर्कता और पूर्वनियोजित रखरखाव के माध्यम से बेहतर परिणाम प्राप्त करने पर भी बल दिया। रायगढ़ स्टेशन के निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने रनिंग रूम, प्रतीक्षालय, लॉबी, स्टेशन परिसर तथा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रायगढ़ स्टेशन में चल रहे विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया।निर्माणाधीन यात्री सुविधाओं, सर्कुलेटिंग एरिया के उन्नयन कार्यों का निरीक्षण कर जायजा लिये तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण किए जाएं ताकि यात्रियों को बेहतर एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सके। क्रू लॉबी व रनिंग रूम के निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों से संरक्षा के संबंध में पूछताछ की एवं रेल परिचालन में अहम भूमिका अदा करने वाले लोको पायलट एवं अन्य रेलकर्मियों से मुलाकात की एवं उन्हें उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं का जायजा लिए ।

# विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही बरतने पर 7 बीएलओ को नोटिस जारी

**गौरेला पेंड्रा ।** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में गणना पत्रक वितरण एवं जानकारी अपडेट नहीं करने पर 7 बीएलओ को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। संतोषप्रद जवाब प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उनके विरूद्ध एकपक्षीय कार्रवाई की जाएगी। जिन बीएलओ को नोटिस जारी किया गया है, उनमें कुसुमलता नागेश माध्यमिक शाला मांझीटोला मतदान क्रमांक 11 सारबहरा, सुशीला जायसवाल शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला गौरेला मतदान क्रमांक 17 गौरेला, ज्योति साहू मिश्री देवी कन्या माध्यमिक शाला गौरेला मतदान क्रमांक 23 गौरेला, संघवीमाला मनहर माध्यमिक शाला भर्रापारा मतदान क्रमांक 35 पेण्ड्रा, इंद्रा कुशराम शासकीय माध्यमिक शाला ठाड़पथरा मतदान क्रमांक 58 दुर्गाधारा, दिनेश विश्वकर्मा मतदान क्रमांक 105 नेवसा और सरिता गुप्ता मतदान क्रमांक 106 नेवसा शामिल हैं।अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है, कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 24-मरवाही एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 25-कोटा (भाग 01 से 66 तक) में एसआईआर अंतर्गत मतदाता गणना पत्रक वितरण का कार्य बीएलओ के माध्यम से किया जा रहा है।

# हिंदू धर्म में मासिक कृष्ण जन्माष्टमी के व्रत का महत्व

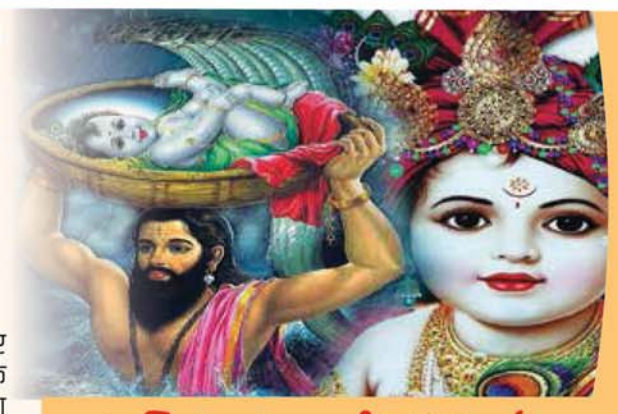

हिंदू धर्म में मासिक कृष्ण जन्माष्टमी का दिन बहुत ही विशेष और पवित्र माना जाता है। ये दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु के द्वापर युग के अवतार श्री कृष्ण को समर्पित किया गया है। मासिक कृष्ण जन्माष्टमी को कृष्ण के श्री जन्मदिन के रूप में मनाने की मान्यता है। हर महीने की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मासिक जन्माष्टमी मनाई जाती है। मासिक जन्माष्टमी पर व्रत भी रखा जाता है। हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन पूजन और व्रत करने वालों के घर में सुख-शांति और समृद्धि का वास सदा बना रहता है।

### क्यों मनाई जाती है मासिक कृष्ण जन्माष्टमी ?

धार्मिक मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद मास की अष्टमी तिथि पर हुआ था। इस कारण, हिंदू धर्म में हर महीने भगवान कृष्ण की जन्म तिथि को मासिक कृष्ण जन्माष्टमी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के भक्त उनका आशीष प्राप्त करने के लिए उपवास रखते हैं और भगवान की आराधना करते हैं।

### मासिक जन्माष्टमी पूजा विधि

मासिक कृष्ण जन्माष्टमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान कर लेना चाहिए. इसके बाद भगवान कृष्ण का ध्यान करके व्रत का संकल्प करना चाहिए। इस दिन लड्डू गोपाल को पंचामृत से स्नान करवाना चाहिए। इसके बाद उन्हें पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करवाना चाहिए। फिर उन्हें कपड़े पहनाने चाहिए। उनका श्रृंगार करना चाहिए। फिर भगवान को माखन मिश्री का भोग लगाना चाहिए। उनके भोग में तुलसी भी अववश्य डालनी चाहिए. उनके सामने घी का दिया प्रज्वलित करना चाहिए। श्री कृष्ण के मंत्रों का जाप करना चाहिए। अंत में उनकी आरती करके पूजा संपन्न करनी चाहिए।

### मासिक कृष्ण जन्माष्टमी का महत्व

हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मासिक कृष्ण जन्माष्टमी पर जो भी व्रत और पूजन करता है उसे यश, कीर्ति, धन और वैभव प्राप्त होता है। साथ ही इस दिन व्रत और भगवान श्री कृष्ण के पूजन से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

### मासिक कृष्ण जन्माष्टमी का शुभ मुहूर्त

अष्टमी तिथि का प्रारम्भ 11 नवंबर, 2025, मंगलवार को रात 11 बजकर 08 मिनट पर प्रारम्भ होगी।
अष्टमी तिथि का समापन 12 नवम्बर, 2025, बुधवार को रात 10 बजकर 58 मिनट पर समाप्त होगा।
मासिक कृष्ण जन्माष्टमी का शुभ मुहूर्त - 11 नवम्बर, 2025, मंगलवार की रात 11 बजकर 16 मिनट से 12 नवम्बर, 2025, बुधवार की रात 12 बजकर 08 मिनट तक रहेगा।
**शुभ मुहूर्त की कुल अवधि 00 घंटे 54 मिनट्स होगी।**

# सेहत ही नहीं रूप निखारने में भी मददगार है अनार का जूस

घर पर बनाया गया फ्रेश अनार का जूस आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। घर पर बनाए जाने की वजह से यह फ्रेश होता है और कई बीमारियों से बचाव करने में सहायता करता है। इसमें प्रीजरवेटिव्स और शुगर न मिले होने की वजह से यह और अधिक फायदेमंद होता है। जानें रोज अनार का जूस पीना कैसे आपकी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। हेल्दी और एनर्जेटिक रहने के लिए हम कई बार बाहर से पैकेज्ड फ्रूट जूस या सोडा ड्रिंक्स पीते हैं, लेकिन इसमें अलग से काफी मात्रा में शुगर और प्रिजरवेटिव्स मिलाए जाते हैं, जो सेहत के लिए काफी नुकसानदेह हो सकता है। इसलिए इसके बदले, घर पर बनाया गया फ्रेश फ्रूट जूस पीना काफी फायदेमंद हो सकता है। अनार सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसलिए घर पर इसका ताजा जूस निकालकर पीना भी काफी लाभदायक हो सकता है। आइए जानते हैं, रोज अनार का ताजा जूस पीने से क्या फायदे मिल सकते हैं।

### दिल के लिए फायदेमंद

अनार का जूस पीना सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसे पीने से कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद मिलती है, जिससे आर्टरीज ब्लॉक नहीं होती है और दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है। इस कारण से ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में भी काफी मदद मिलती है।

### त्वचा के लिए फायदेमंद

अनार का जूस पीना आपकी त्वचा के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। इसमें विटामिन-सी होता है, जो डार्क स्पॉट्स, सन डैमेज आदि से बचाव करने में मदद करता है। साथ ही, इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स की मात्रा भी अधिक होती है, जो त्वचा के लिए फायदेमंद होता है।

### इम्यूनिटी मजबूत बनाता है

अनार के जूस में एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो फ्री रेडिकल डैमेज को कम करके इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने में मदद करता है। इम्यून सिस्टम मजबूत होने की वजह से इन्फेक्शन आदि का खतरा भी कम होता है।

### इंफ्लेमेशन कम करता है

अनार में एक ऐसा कंपाउंड पाया जाता है, जो इंफ्लेमेशन को कम करने में मदद करता है। क्रॉनिक इंफ्लेमेशन की वजह से दिल की बीमारियां, डायबिटीज आदि का खतरा रहता है। इंफ्लेमेशन को कम कर, अनार का जूस इन बीमारियों से बचाव में मदद करता है।

### सेल्स को हेल्दी रखने में मददगार

अनार में थाइमिन और फॉलेट पाए जाते हैं, जो सेल्स को हेल्दी रखने में मदद करते हैं। ये सेल को बेहतर तरीके से काम करने में भी मदद करते हैं। इसलिए अनार का जूस पीना सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है।

# घर में किस दिशा में लगाएं गुड़हल का पौधा

वास्तु शास्त्र में हर एक चीज का विशेष महत्व है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में कुछ पेड़-पौधों को लगाना बेहद शुभ माना गया है। इन्हीं में से एक है गुड़हल का पौधा। इसको घर में लगाने से आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। इस पौधे को लगाने के बाद उत्तम फल तभी प्राप्त होता है, जब इस पौधे को घर की सही दिशा में लगाया जाए। आइए आपको बताते हैं कि घर में किस दिशा में गुड़हल का पौधा लगाना चाहिए और इससे मिलने वाले लाभ के बारे में।

### इस दिशा में लगाएं

वास्तु शास्त्र के अनुसार, गुड़हल का पौधा घर की उत्तम दिशा में लगाने से इंसान को कई तरह के लाभ प्राप्त होते हैं। वास्तु शास्त्र में इस पौधे को लगाने के लिए पूर्व दिशा बताई गई है।

### मिलते हैं ये लाभ

- धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां लक्ष्मी को गुड़हल का फूल बेहद प्रिय है। पूजा के दौरान मां लक्ष्मी को गुड़हल के फूल अर्पित करें। कहा जाता है कि ऐसा करने से परिवार के किसी भी सदस्य को आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ता है। घर में हमेशा का धन की तिजोरी भरी रहती है।
- यदि आपकी कुंडली में सूर्य की स्थिति कमजोर है, तो ऐसे में घर में गुड़हल का पौधा लगाएं। मान्यता के अनुसार, ऐसा करने से कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होती है।
- परिवार के सदस्यों के बीच लड़ाई-झगड़ा से छुटकारा पाने के लिए घर के आंगन में गुड़हल का पौधा लगाएं। इससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह में वृद्धि होती है और घर में सुख-शांति का आगमन होता है।
- अगर आप बिजनेस में किसी परेशानी का सामना कर रहे हैं, तो घर में गुड़हल का पौधा अवश्य लगाएं। रोजाना सुबह स्नान करने के बाद सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करें। इसके बाद गुड़हल के पौधे में भी जल दें। इस कार्य को करने से बिजनेस संबंधी दिक्क्तों से छुटकारा मिलता है।

# कॉटन साड़ी की ऐसे करें देखभाल

कॉटन साड़ी पहनने में जितनी एलिगेंट दिखती हैं, इनकी देखभाल उतनी ही मुश्किल होती है। कॉटन साड़ी की खासियत ये है कि इसे आप हर ओकेज़न पर पहन सकती हैं। कॉटन साड़ी ऑफिस में कॉर्पोरेट लुक देती है और ट्रेडिशनल कॉटन साड़ी को आप फेस्टिवल और फंक्शन्स में भी पहन सकती हैं। कॉटन साड़ी की सबसे बड़ी दिक्कत ये है कि बाकी फैब्रिक के मुकाबले कॉटन जल्दी रंग छोड़ देता है, जिससे कपड़े की चमक फीकी पड़ जाती है। कॉटन साड़ी की केयर इस तरह करें, जल्दी खराब नहीं होगी।

अगर आपकोकॉटन साड़ी की देखभाल का सही तरीका मालूम है तो आप अपनी कॉटन साड़ी को सालों तक पहन सकती हैं। कॉटन साड़ी की देखभाल कैसे करें? आइए, हम आपको बताते हैं।

- ❖ कॉटन साड़ी को पहली बार धोने से पहले उसे गुनगुने पानी में रॉक सॉल्ट मिलाकर 15 मिनट के लिए भिगोएं। इससे साड़ी का कलर पक्का हो जाएगा।
- ❖ कॉटन साड़ी को हमेशा बाकी कपड़ों से अलग धोएं।
- ❖ कॉटन साड़ी को कभी भी डिटर्जेंट में न भिगोएं।
- ❖ कॉटन साड़ी को क्रिस्पी बनाने के लिए उसे स्टार्च ज़रूर करें। बाज़ार में मिलने वाले स्टार्च के अलावा आप घर में पके हुए चावल के पानी से भी स्टार्च तैयार कर सकती हैं।
- ❖ कॉटन साड़ी को स्टार्च करने के बाद साफ पानी से अच्छी तरह धो लें, ताकि साड़ी पर सफेद धब्बा न पड़े।
- ❖ कॉटन साड़ियों को धोने के बाद निचोड़ने की ग़लती न करें।
- ❖ कॉटन साड़ी को हमेशा छांव में ही सुखाएं।
- ❖ कॉटन साड़ियों को हल्की गीली रहने पर प्रेस कर लें।
- ❖ कॉटन साड़ी को रखने के लिए कवर/लिफाफे का इस्तेमाल करें। इससे साड़ियां हमेशा नई बनी रहेंगी।
- ❖ बारिश के समय कॉटन साड़ियों को अलमारी से निकालकर चेक करती रहें।
- ❖ ज़्यादा दिन तक सूटकेस में बंद कॉटन साड़ियों से महक आने लगती है। इसे दूर करने के लिए सूखे फूल और पत्तियों को सूटकेस में रखें।
- ❖साड़ी अक्सर फॉल की तरफ़ से फटती है, इसलिए इस्तेमाल के बाद हल्के ब्रश से फॉल में लगी गंदगी साफ़ करें।

# ऐसे दूर करें करेले का कड़वापन

सेहत के लिए करेला काफी फायदेमंद होता है, लेकिन बच्चे तो क्या कई बड़े भी खाने की थाली में इसे देखकर नाक-मुंह सिकोड़ने लगते हैं। वजह है, इसका कड़वापन। क्या आप जानते हैं कि इसके चलते आप सेहत को मिलने वाले कई फायदों से पीछे रह जाते हैं। ऐसे में इस आर्टिकल में जान लीजिए इसकी कड़वाहट दूर करने के कुछ टिप्स एंड ट्रिक्स और बेखौफ करिए इसका सेवन।

**सेंधा नमक के पानी उबालें :** करेले की कड़वाहट को दूर करने के लिए आप इसे सेंधा नमक के पानी में कुछ देर भिगो कर रख दें। ये फ्लेवोनोइड को सोखने में मदद करता है, जिसकी वजह से करेले में कड़वापन आता है।

**दही का इस्तेमाल :** सेहत के लिए करेला काफी फायदेमंद है, लेकिन आप इसके कड़वेपन के कारण इसे खाने से बचते हैं, तो इसके लिए आप इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर 2 घंटे के लिए दही में भिगोकर भी रख सकते हैं। ऐसा करने से इसकी कड़वाहट महसूस नहीं होगी।

**खटाई के साथ पकाएं :** खटाई कड़वापन खत्म करने में काफी कारगर होती है। ऐसे में आप करेले की कड़वाहट दूर करने के लिए भी इसकी सब्जी बनाते समय उसमें खटाई जरूर एड कर दें। इसके लिए आप अमचूर पाउडर या नींबू का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

**बीज निकालकर बनाएं :** करेले के बीज समेत सब्जी बनाने से भी इसका कड़वापन ज्यादा महसूस होता है। आपको इसे दूर करना है, तो इसके बीजों को निकालकर सब्जी बनाएं।

**ऊपर के छिलके छील लें :** करेले के ऊपर जो छिलके की सतह होती है, उसे हटा कर अलग कर देने से भी इसका कड़वापन दूर किया जा सकता है। इससे आपकी सब्जी स्वादिष्ट बनेगी और कड़वापन भी कम हो जाएगा।

जिस तरह मॉइश्चराइज़र त्वचा को नर्म-मुलायम और हेल्दी बनाता है, ठीक उसी तरह तेल भी बालों को नमी प्रदान करने के साथ ही उसे स्वस्थ और मज़बूत भी बनाए रखते हैं. तो आइए, आपको बताते हैं कि काली, घनी, ख़ूबसूरत ज़ुल्फों के लिए कौन-से तेल बेस्ट हैं और किस तेल को लगाने के क्या फायदे हैं.

# बालों के लिए किस ऑयल के क्या हैं फायदे?

### कोकोनट ऑयल

कोकोनट ऑयल यानी नारियल के तेल में मैग्नीशियम, कैल्शियम, आयरन और पोटैशियम जैसे तत्व पाए जाते हैं।
ये बालों को मज़बूत बनाने के साथ ही उसे नर्म-मुलायम भी बनाते हैं।
रोज़ाना नारियल का तेल लगाने से बाल तेज़ी से बढ़ते हैं।

### ऑलिव ऑयल

बालों के लिए ऑलिव ऑयल भी बेस्ट है।
ये न सिर्फ़ बालों को मॉइश्चराइज़ करते हैं, बल्कि इसमें पाए जाने वाले कंडीशनर के गुण रूखे बालों को नमी प्रदान करते हैं और रूसी आदि की समस्या से भी निजात दिलाते हैं। ऑलिव ऑयल में शहद मिलाकर लगाने से बाल शाइनी नज़र आते हैं।

### आल्मंड ऑयल

विटामिन ई से भरपूर आल्मंड ऑयल यानी बादाम का तेल त्वचा के साथ-साथ बालों के लिए भी फ़ायदेमंद है।
रोज़ाना बालों में बादाम का तेल लगाने से बाल हेल्दी, सॉफ्ट और शाइनी बने रहते हैं।
आल्मंड ऑयल में नारियल तेल मिलाकर लगाने से भी बालों को मज़बूती मिलती है।

### एवोकेडो ऑयल

एवोकेडो ऑयल से बालों को कुदरती चमक मिलती है।
अच्छे रिज़ल्ट के लिए एक टेबलस्पून ऑयल में आधा टेबलस्पून कोकोनट ऑयल और 10-12 बूंद
रोज़मैरी ऑयल मिलाएं और बालों में लगाएं। आधे घंटे बाद बाल धो लें।

### कैस्टर ऑयल

घने बालों की चाहत को पूरा करने के लिए बालों में लगाएं कैस्टर ऑयल।
स्काल्प की मालिश करते हुए बालों में कैस्टर ऑयल लगाकर कॉटन के टॉवेल से बालों को कवर कर लें।
बीस मिनट बाद कुनकुने पानी से बाल धो लें। रोज़ाना ऐसा करने से बाल घने हो जाएंगे।

# प्रेशर कुकर में चावल बनाने के टिप्स

प्रेशर कुकर में चावल बनाने के लिए चावल को पर्याप्त पानी में आधे घंटे के लिए भिगो दें। आधे घंटे बाद चावल को अच्छी तरह छानने के बाद एक प्रेशर कुकर में चावल की मात्रा से दोगुने उबलते हुए पानी में डाल दें। जैसे अगर आपको एक ग्लास चावल बनाने हैं तो आप उसमें दो ग्लास पानी डालें। अगर आप चाहते हैं कि चावल खिले हुए बनें तो चावल को पकाते वक्त उसमें आधे नींबू का रस और एक टी स्पून तेल डाल दें इससे चावल में एक नया खिलापन आएगा।

### अच्छी क्वालिटी के हों चावल

अगर आप चावल बनाने का प्लान कर रहे हैं तो अच्छे और थोड़े महंगे चावल का चयन करें। खासकर बासमती चावल एक दम खिले हुए बनते हैं तो आपको बासमती चावल ही खरीदने चाहिए।

### मीडियम फ्लेम पर पकाएं

चावल को हमेशा मीडियम फ्लेम पर पकाएं जिससे की चावल अच्छे से पक जाएंगे और कुकर के तले पर चिपकने से बच जाएंगे। चावल को और स्वादिष्ट बनाने के लिए चावल के पकने के बाद उपर से देसी घी का तड़का लगा दें।

# कपड़ों के कलर के साथ सही लिपस्टिक का चयन

अक्सर लड़कियां कपड़ों के कलर के साथ सही लिपस्टिक के कलर को मैच नहीं कर पातीं। तो लिपस्टिक के इन शेड्स को ऐसे ना करें मिक्स एंड मैच।

**बोल्ड कलर के आउटफिट**

अगर आप वैलेंटाइन के स्पेशल मौके पर बोल्ड एंड ब्राइट कलर के कपड़ों को चुन रही हैं। तो साथ में बोल्ड कलर के लिपस्टिक शेड्स को ना चुनें। बोल्ड एंड ब्राइट कलर को मिक्स एंड मैच करने पर आपका एक भी लुक ध्यान नहीं खींचेगा। इसलिए जब बोल्ड कलर के आउटफिट चुनें तो लिपस्टिक को हल्का रखें। लिपस्टिक को ब्राइट एंड बोल्ड कलर रखने पर कपड़े को पेस्टल शेड में चुनें।

**पिंक कलर के कपड़े के साथ सहीं लिप शेड चुनें**

अगर आप पिंक कलर के कपड़े को चुन रही हैं तो इसके साथ ब्राउन शेड्स की लिपस्टिक को कतई ना मैच करें। ये आपके प्रिटी पिंक लुक को फीका बना देगी। सुर्ख पिंक या ब्राइट पिंक जैसे शोख कलर के साथ फिट नहीं बैठते।

**रेड ऑन रेड**

अगर आप वैलेंटाइन डे के मौके पर रेड शेड की ड्रेस को पहनने वाली हैं। तो भूलकर भी रेड कलर की लिपस्टिक मैच ना करें। ये बिल्कुल आउटडेटेड है। रेड ड्रेस के साथ न्यूड पिंक, न्यूड ब्राउन जैसे कलर क्लासी लुक देंगे।

# प्यार से किसी को गले लगाने पर मिलेंगे कमाल के फायदे

फरवरी के महीने में लव वीक सेलिब्रेट किया जाता है। इस हफ्ते की शुरुआत रोज डे से होती है और वैलेंटाइन वीक के साथ ये हफ्ता खत्म हो जाता है। प्यार के इस हफ्ते का छठा दिन हग डे होता है। इस दिन कपल्स एक दूसरे को गले लगाते हैं। गले लगाने से न सिर्फ आपस में प्यार बढ़ता है, बल्कि ऐसा करने पर अपनी फीलिंग्स को बेहतर तरीके से व्यक्त करने में मदद मिलती है। कुछ स्टडीज कहती हैं कि गले मिलने से सेहत को भी जबरदस्त फायदे मिल सकते हैं। यहां जानिए-

- एक अच्छा हग हार्ट रेट को स्लो करने में मदद करता है। इसके अलावा गले लगने से शरीर में तनाव हार्मोन, कोर्टिसोल के लेवल को कम करने में मदद मिलती है।
- अपने प्यार को गले लगाने से आपको कैलोरी बर्न करने में मदद मिल सकती है।
- गले लगने से ब्लड फ्लो सुधार होता है, जो शरीर में दूर करता है। गले लगने मांसपेशियों को आराम देने में मदद मिलती है।
- गले लगाने पर शरीर में ऑक्सीटोसिन बढ़ता है, जिसे प्यार या कडल हार्मोन के रूप में भी जाना जाता है। ऑक्सीटोसिन रिलीज होने पर तुरंत जुड़ाव महसूस होता है, जिससे अकेलेपन की भावना कम होती है।
- रिपोर्ट्स का कहना है कि गले लगने से आरामदायक और शांत प्रभाव बेहतर हार्ट हेल्थ में मदद कर सकता है।
- गले लगने पर सुरक्षा की भावना का अहसास होता है और इससे डर को काफी हद तक कम किया जा सकता है, जिससे व्यक्ति में कॉन्फिडेंस बूस्ट होता है।
- गले लगने पर शांति की भावना ज्यादा शांतिपूर्ण और आरामदायक रात की नींद में मदद कर सकती है।

# धमधा ब्लॉक में किसानों का फूटा गुस्सा: भ्रष्टाचार, बिजली संकट और फर्जी शराब दुकान प्रस्ताव के खिलाफ प्रदर्शन; प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

**धमधा (दुर्ग),** 11 नवंबर धमधा ब्लॉक क्षेत्र के किसानों ने अपनी तीन प्रमुख और लंबित समस्याओं को लेकर किसान बंधु संगठन के बैनर तले आज स्थानीय प्रशासन के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने जिला प्रशासन पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा और तत्काल कार्रवाई की मांग की।

**भ्रष्टाचार का आरोप: भूमि सुधार में लूट-खसोट-** संगठन के पदाधिकारियों ने ज्ञापन में सबसे गंभीर मुद्दा राजस्व विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार को बताया। किसानों का आरोप है कि भूमि त्रुटि सुधार (जमीन के रिकॉर्ड में सुधार) से जुड़े प्रकरणों में पटवारी से लेकर तहसील कार्यालय तक खुलेआम रिश्वतखोरी चल रही है। किसानों को जानबूझकर बार-बार पेशी के नाम पर परेशान किया जा रहा है और काम में अनावश्यक विलंब किया जा रहा है। संगठन ने जिला प्रशासन से इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषी कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है ताकि पारदर्शिता लाई जा सके।

**ठेलका सब-स्टेशन: 40 गांवों में बिजली का भीषण संकट-** दूसरी मुख्य समस्या बिजली आपूर्ति की है। धमधा ब्लॉक के ठेलका सब-स्टेशन में कर्मचारियों की भारी कमी के चलते लगभग 35 से 40 गांवों में लगातार बिजली की कटौती और कम वोल्टेज की समस्या बनी हुई है। इससे किसानों की धान सहित अन्य फसलों की सिंचाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। किसानों ने संबंधित विभाग को तत्काल ठेलका सब-स्टेशन में आवश्यक तकनीकी स्टाफ की पदस्थापना सुनिश्चित करने और विद्युत आपूर्ति नियमित करने के निर्देश देने की मांग की है।

**अछोली ग्राम: फर्जी प्रस्ताव पर भड़का आक्रोश-** तीसरा मामला अछोली ग्राम पंचायत में शराब दुकान खोलने को लेकर है। किसानों ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत की बिना अनुमति के शराब दुकान खोलने हेतु एक फर्जी प्रस्ताव तैयार किया गया है। इस कृत्य में जनपद पंचायत धमधा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (भ्रष्टाचार) की मिलीभगत की आशंका जताई गई है। संगठन ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में भी कलेक्टर जनदर्शन में शिकायत की गई थी, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। किसानों ने इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

किसान बंधु संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि इन समस्याओं पर प्रशासन ने जल्द ध्यान नहीं दिया और कार्रवाई नहीं की, तो वे एक बड़ा आंदोलन शुरू करने पर मजबूर होंगे।

# नगर निगम आयुक्त भी बनाये गए अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी

**दुर्ग।** भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य हेतु नगर निगम क्षेत्र में सहभागिता सुनिश्चित करने समस्त नगर निगम आयुक्तों को संबंधित निगम क्षेत्र के लिए अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया है। आयोग के आदेशानुसार जिले के नगर निगम आयुक्त दुर्ग अधिकार क्षेत्र दुर्ग नगर निगम, नगर निगम आयुक्त भिलाई -3 चरोदा अधिकार क्षेत्र भिलाई-3 चरोदा नगर निगम, नगर निगम आयुक्त भिलाई अधिकार क्षेत्र भिलाई नगर निगम तथा नगर निगम आयुक्त रिसाली अधिकार क्षेत्र रिसाली नगर निगम के लिये अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किये गए है। यह नियुक्ति लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 13 सी के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग में प्रतिनियुक्ति समझे जाएंगे और ऐसे अधिकारी इस अवधि के दौरान निर्वाचन आयोग के नियंत्रण, अधीक्षण एवं अनुशासन के अध्यधीन होंगे। यह नियुक्ति विशेष गहन पुनरीक्षण 2025-26 की समाप्ति पश्चात प्रभावी नही रहेगी।

## जिले में विद्यार्थियों का किया जा रहा है मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन

**दुर्ग ।** जिले के शासकीय व अशासकीय स्कूलों में प्रतिदिन विद्यार्थियों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन का कार्य निरंतर किया जा रहा है। 39 शासकीय व अशासकीय स्कूलों में शिविर लगाकर 1446 विद्यार्थियों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन किया गया। 190 विद्यार्थियों का आधार अपडेशन और एक विद्यार्थी का नया आधार बनाया गया।

# जनवरी 2026 में उत्तर पाटन क्षेत्र में होगा दो दिवसीय जसगीत एवं झांकी प्रतियोगिता

## तैयारी बैठक ग्राम परसदा (पहांदा) में सम्पन्न, सभी समितियों ने की जिम्मेदारी तय

**अम्लेश्वर।** उत्तर पाटन क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्य दो दिवसीय जसगीत एवं झांकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। आयोजन की तैयारी को लेकर रविवार को ग्राम परसदा (पहांदा) में समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र के अनेक ग्रामों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 17 एवं 18 जनवरी 2026 (शनिवार और रविवार) को किया जाएगा। इस दो दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव में राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर सहित आसपास के जिलों की झांकी एवं जसगीत मंडलियां भाग लेंगी। बैठक में ग्राम सांकरा, पहांदा (अ), खम्हरिया, मोतीपुर, अमलेश्वर, डीह, मगरघटा, भोथली, परसदा, कपसदा, घुघवा सहित अन्य गांवों की समितियों के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान कार्यक्रम की रूपरेखा, मंच व्यवस्था, प्रतिभागियों के आवास व भोजन की व्यवस्था सहित कई अहम बिंदुओं पर चर्चा की गई। सभी समितियों ने सामूहिक रूप से निर्णय लिया कि कार्यक्रम की तैयारियां आज से ही आरंभ की जाएंगी ताकि आयोजन को और अधिक भव्यता एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न कराया जा सके। इस संबंध में जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी कामता प्रसाद सिंगौर ने बताया कि जसगीत एवं झांकी प्रतियोगिता क्षेत्रीय संस्कृति, भक्ति और लोक परंपरा के संरक्षण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्रतियोगिता को और बड़े स्तर पर आयोजित करने की तैयारी की जा रही है ताकि क्षेत्र के कलाकारों को मंच मिल सके।

# आईआईटी भिलाई का पांचवां दीक्षांत समारोह: 2025 में स्नातक होने वाले 269 छात्रों को प्रदान की गई डिग्री

## जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के मुख्य आतिथ्य में हुआ आयोजन

**दुर्ग।** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई का पांचवां दीक्षांत समारोह सोमवार, 10 नवम्बर 2025 को परिसर स्थित नालंदा हॉल में आयोजित किया गया। इस समारोह में जम्मू और कश्मीर के माननीय उपराज्यपाल मनोज सिन्हा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। इस कार्यक्रम में अदाणी सीमेंट के पूर्णकालिक निदेशक एवं सीईओ विनोद बाहेती विशेष अतिथि और डॉ. सुरेश हवारे गेस्ट ऑफ ऑनर थे। आईआईटी भिलाई के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष ने समारोह की अध्यक्षता की। दीक्षांत समारोह की शुरुआत अकेडमिक प्रोसेशन के आगमन के साथ हुई। आईआईटी भिलाई के निदेशक, प्रो. राजीव प्रकाश ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत किया, जिसमें संस्थान की पिछले वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों और प्रगति की जानकारी दी गई। उन्होंने संकाय द्वारा किए जा रहे उन्नत शोध परियोजनाओं पर प्रकाश डाला और बताया कि संस्थान का अनुसंधान एवं विकास बजट लगभग 36 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में ?13.93 करोड़ हो गया है। प्रो. प्रकाश ने यह भी बताया कि माननीय प्रधानमंत्री ने 25 सितंबर 2025 को आयोजित एक वर्चुअल समारोह में आईआईटी भिलाई के फेज बी निर्माण की शिलान्यास पटिका का अनावरण किया। यह परियोजना, जिसकी लागत ?2,257.55 करोड़ है, अक्टूबर 2028 तक पूरी होने की उम्मीद है। इसके तहत परिसर में 1,51,343 वर्ग मीटर का नया निर्मित क्षेत्र जोड़ा जाएगा। फेज बी का एक प्रमुख भाग रिसर्च पार्क की स्थापना है, जो छत्तीसगढ़ राज्य में पहला होगा। यह पार्क शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग को मजबूत करेगा और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के विकास के लिए एक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करेगा।

निदेशक ने सभी स्नातक छात्रों को बधाई दी और कहा कि पूर्व छात्र पहले से ही उद्योग, उच्च शिक्षा, सरकारी सेवाओं और उद्यमिता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रहे हैं। विशिष्ट अतिथि विनोद बाहेती, डब्ल्यूटीडी और अदाणी सीमेंट के सीईओ ने स्नातकों को बधाई दी और छात्रों को पेशे में नैतिकता और सत्यनिष्ठा के महत्व की याद दिलाई, जो उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए पोषित किए जाने वाले महत्वपूर्ण मूल्य हैं। उन्होंने छात्रों को उत्कृष्ट सुविधाएँ प्रदान करने, उद्योग की माँगों और अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए उन्हें प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु संस्थान के भविष्य-तैयार परिसर और अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे की भी सराहना की। गेस्ट ऑफऑनर डॉ. सुरेश हवारे ने सभी स्नातक छात्रों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने उन्हें सफलता प्राप्त करने के लिए अपनी जन्मजात प्रतिभा और अर्जित ज्ञान को निखारते हुए दृढ़ और मेहनती बने रहने के लिए प्रोत्साहित किया।अपने दीक्षांत संबोधन में माननीय उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने संस्थान की राज्य के समग्र विकास, विशेष रूप से जनजातीय समुदायों के उत्थान के प्रति की जा रही प्रतिबद्ध और सराहनीय प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने आईआईटी भिलाई के संकाय सदस्यों की भी सराहना की, जो विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास का नेतृत्व कर रहे हैं। सिन्हा ने सभी स्नातक छात्रों को बधाई दी और उन्हें ऐसे कार्य करने के लिए प्रेरित किया जो समाज के हित में हों और एक सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दें। 5वें दीक्षांत समारोह में 269 छात्रों ने 2025 में स्नातक किया।

# अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की नियुक्ति

**दुर्ग।** भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण अहर्ता तिथि 01 जनवरी 2026 हेतु पूर्व में नियुक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के अतिरिक्त नए सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 62 पाटन हेतु अतिरिक्त तहसीलदार/ नायब तहसीलदार - 2 पाटन एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमलेश्वर, 63 दुर्ग ग्रामीण हेतु कार्यपालन अभियंता नगर निगम रिसाली, 64 दुर्ग शहर हेतु सयुक्त कलेक्टर - 1/ डिप्टी कलेक्टर - 1 दुर्ग, उपायुक्त नगर पालिका निगम दुर्ग एवं कार्यपालन अभियंता - 2 नगर पालिका निगम दुर्ग, 65 भिलाई नगर हेतु सयुक्त कलेक्टर - 2/डिप्टी कलेक्टर -2 दुर्ग, ज़ोन आयुक्त ज़ोन - 5/कार्यपालन अभियंता - 1 नगर निगम भिलाई, नायब तहसीलदार -3 दुर्ग एवं उपायुक्त नगर पालिका निगम भिलाई, 66 वैशाली नगर हेतु अतिरिक्त तहसीलदार -2/ नायब तहसीलदार- 4 दुर्ग, ज़ोन आयुक्त -3/ कार्यपालन अभियंता -2 नगर निगम भिलाई एवं नायब तहसीलदार -5 दुर्ग तथा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 67 अहिवारा हेतु तहसीलदार भिलाई -3, नायब तहसीलदार -1 अहिवारा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद जामुल को सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 68 साजा (आंशिक) हेतु तहसीलदार/नायब तहसीलदार- 1 धमधा तथा 69 बेमेतरा (आंशिक ) हेतु नायब तहसीलदार -2 धमधा एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पंचायत धमधा को सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किया गया है।

# सतनामी समाज युवा प्रकोष्ठ की बैठक, युवा शक्ति एकजुट होकर समाज के लिए करेंगे काम, नए कार्यकारणी का भी गठन

**पाटन।** छत्तीसगढ़ सतनामी समाज युवा प्रकोष्ठ की बैठक 09 नवंबर रविवार को सतनाम भवन पाटन में जिलाध्यक्ष अहेंद्र चेलक जी नेतृत्व में आयोजित हुई, जिसमें बतौर मुख्यतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ सतनामी समाज युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष कमल कुर्रे शामिल हए। साथ में चंद्रशेखर बंजारे (अध्यक्ष सतनामी आश्रम दुर्ग), जीतू नवरंग (प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष एवम जेल यात्री बलौदाबाजार से), दिलीप कुर्रे (प्रदेश महामंत्री), राजा बंजारे (प्रदेश महामंत्री), डिकेश टंडन (सदस्य कोरकमेटी), उपकार सुल्तान (सदस्य कोरकमेटी), सूरज घृतलहरे (जिला महामंत्री), जैकी चेलक (जिला महामंत्री), श्यामलाल देशलहरा (संरक्षण दुर्ग), दुकालू खुटे (संरक्षण दुर्ग), बसंती गायकवाड (उपाध्यक्ष तह.सत.समाज दुर्ग), सरस्वती देशलहरा (महासचिव तह.सत.समाज दुर्ग), राजकुमार बघेल (उपाध्यक्ष तह.सत.समाज पाटन), भावेश डहरे (तह.सत.समाज दुर्ग), अमन टंडन (जेलयात्री अकलतरा),

कोमल संभाकार (धमतरी)शामिल हुए। इस इस अवसर पर आए हुए अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा की युवा शक्ति एकजुट होकर समाज के लिए कार्य करे,और सामाजिक एकता का परिचय दे।आगामी होने वाले सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़-कर हिस्सा ले और युवाओं से अपील किए की नशापान मांस मदिरा से दूर रहे, समाज में किसी को कोई समस्या हो तो आपस में मिलजुलकर उस समस्या का समधान करे, अपने हक अधिकार के लिए हमेशा जागरूक रहे, लेकिन आवेश में आकर कोई भी गलत टीका-टिप्पणी ना करे और आर्थिक रूप से मजबूत बने, समाज को सही दिशा में ले जाए। इस बैठक में पाटन तहसील के सैकड़ो गांव से सामाजिक संत शामिल हुए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सतनामी समाज युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष कमल कुर्रे के द्वारा दुर्ग जिला कार्यकारिणी युवा प्रकोष्ठ का गठन किया गया जिसमे शीतल कोठरी(दुर्ग जिला संभाग अध्यक्ष), दानेश मारकंडे (दुर्ग जिला संभाग उपाध्यक्ष) नरेंद्र गायकवाड (जिला उपाध्यक्ष), संजय कोशले (जिला सचिव), पंकज जोशी (जिला महासचिव), शंकर कोशले (कोषाध्यक्ष), कमलेश जोशी (विधानसभा अध्यक्ष एवम मीडिया प्रभारी), राजेंद्र देशलहरे (ब्लॉक अध्यक्ष) प्रेमचन्द गायकवाड (संगठन सचिव), अमित बंजारे (संगठन सचिव), गौरव कौशल (ब्लॉक उपाध्यक्ष) इन सभी नवनियुक्त पदाधिकारियो को फूल माला पहनाकर शुभकामनाएं दी गई।

# जिला साहू संघ दुर्ग के तत्वाधान में युवक-युवती परिचय सम्मेलन संपन्न

- **34 वर्षों की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए हुआ आयोजन, समाजिक एकता और विकास पर जोर**

**दुर्ग।** जिला साहू संघ दुर्ग के तत्वाधान में रविवार 9 नवंबर को युवक-युवती परिचय सम्मेलन का भव्य आयोजन कचना धुरवा देवालय, गोंडवाना भवन, सिविल लाइन, उतई रोड दुर्ग में संपन्न हुआ। यह सम्मेलन समाज की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए लगातार 34वें वर्ष आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भक्त माता कर्मा की पूजा-अर्चना और आरती के साथ हुई, जिसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गीत-संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियों ने माहौल को भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बना दिया। अध्यक्ष नंदलाल साहू ने किया स्वागत, समाज में एकजुटता का किया आह्वान-स्वागत भाषण जिला साहू संघ दुर्ग के अध्यक्ष नंदलाल साहू ने दिया। उन्होंने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों एवं जिलेभर से आए सामाजिक बंधुओं

का हृदय से स्वागत किया। अपने तीन वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियाँ समाज के समक्ष रखते हुए साहू ने संघ के लिए मिली जमीन आवंटन की जानकारी साझा की और भवन निर्माण में सभी से सहयोग की अपील की। उन्होंने समाज में एकता, सहयोग और सतत विकास पर बल देते हुए कहा कि -संगठन की मजबूती ही समाज की पहचान है, इसलिए हम सब मिलकर समाज के उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्य करें। प्रमुख अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति-कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री ताम्रध्वज साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश साहू संघ के अध्यक्ष नीरेंद्र साहू ने की। इसके साथ ही मंच पर पूर्व मंत्री जागेश्वर साहू, पूर्व मंत्री (महिला एवं बाल विकास) रामशिला साहू, छत्तीसगढ़ शासन के तेलगानी बोर्ड अध्यक्ष जितेंद्र साहू, पूर्व अध्यक्ष हस्तशिल्प विकास बोर्ड दीपक ताराचंद साहू तथापूर्व अध्यक्ष जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग राजेंद्र साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। युवक-युवती परिचय सत्र बना आकर्षण का केंद्र-कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य के अनुरूप युवक-युवतियों का परिचय सत्र आयोजित हुआ, जिसमें जिलेभर से दर्जनों परिवारों ने हिस्सा लिया। इस सत्र के माध्यम से समाज में वैवाहिक समरसता और नए रिश्तों के सूत्र जुड़ने की परंपरा को आगे बढ़ाया गया।

# जनजातीय गौरव दिवस 2025 के अवसर पर जिला स्तरीय आयोजन 15 नवम्बर 2025 को कला मंदिर ऑडिटोरियम सिविक सेंटर भिलाई में

## कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु विभागों को सौंपा गया दायित्व

**दुर्ग।** कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार 15 नवम्बर 2025 को महात्मा गांधी कला मंदिर ऑडिटोरियम सिविक सेंटर भिलाई में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का किया जा रहा है। उक्त आयोजन के सफल कियान्वयन हेतु अपर कलेक्टर दुर्ग मती योगिता देवांगन को सम्पूर्ण कार्यक्रम का नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर दुर्ग हितेश पिस्दा तथा सहायक आयुक्त आदिवासी विकास दुर्ग अविनाश वास को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए अन्य विभागों को भी दायित्व सौंपा गया है। जिसके अनुसार मुख्य अतिथि, प्रभारी मंत्री, मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण एवं अन्य जनप्रतिनिधियों एवं जनजातीय समाज प्रमुखों को आमंत्रण का दायित्व प्रोटोकॉल अधिकारी को, कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा का दायित्व पुलिस अधीक्षक दुर्ग को, स्थानीय जनजाति वर्ग के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके वंशजों की सूची उपलब्ध कराने तथा अनुसुचित जनजाति के छात्र-छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र वितरण का दायित्व अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग/धमधा/पाटन को दिया गया है। इसी प्रकार लोक निर्माण विभाग (भवन/सड़क) दुर्ग को कार्यक्रम स्थल पर स्टॉल लगाने, टेंट एवं शेड की व्यवस्था का, लोक निर्माण विभाग विद्युत एवं यांत्रिकी दुर्ग को कार्यक्रम स्थल पर विद्युत, जनरेटर, पंखे, कूलर की व्यवस्था का, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग को कार्यक्रम स्थल में चिकित्सा व्यवस्था, जिला स्तर/ विकासखण्ड स्तर/प्रयास विद्यालय, विज्ञान विकास केन्द्र एवं छात्रावासों/प्रमुख स्थानों पर निःशुल्क सिकलसेल एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन, धरती आबा में सम्मिलित चार ग्रामों में संतृप्तिकरण हेतु निःशुल्क सिकलसेल परीक्षण एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के आयोजन और अनुसूचित जनजाति के हितग्राही को आयुष्मान कार्ड के वितरण का दायित्व सौंपा गया है। आदिवासी विकास दुर्ग को स्थानीय मंत्री, सांसद, विधायक एवं जनजातीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रण, नर्तक दल की व्यवस्था, तथा छात्रावासों, आवासीय विद्यालयों में साफ-सफाई, वृक्षारोपण एवं जनजातीय नायक-नायिकाओं के विषय पर संगोष्ठी, वाद-विवाद, चित्रकला, निबंध लेखन एवं भाषण आदि का आयोजन का दायित्व, उद्यानिकी विभाग दुर्ग को बुके एवं फूल माला की व्यवस्था का, परिवहन विभाग एवं नाप तौल विभाग दुर्ग को बस/वाहन की ईंधन, चालक आदि सहित व्यवस्था का दायित्व दिया गया है। इसी क्रम में शहीद वीर नारायण सिंह लोक कला महोत्सव नृत्य प्रतियोगिता के जिला स्तरीय आयोजन, सभी प्रतिभागियों, विजेताओं एवं प्रतिभावान बच्चों का सम्मान तथा मंच संचालन व्यवस्था, विद्यालयों में साफ-सफाई, वृक्षारोपण एवं जनजातीय नायक-नायिकाओं के विषय पर संगोष्ठी, वाद-विवाद, चित्रकला, निबंध लेखन एवं भाषण आदि का आयोजन का दायित्व जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग को सौंपा गया है।

# आईआईटी भिलाई के छात्र की संदिग्ध मौत, पुलिस जांच में जुटी; पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतज़ार

मृतक छात्र सौमिल साहू

**दुर्ग:** भिलाई के पास स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दुर्ग में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के एक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। छात्र का नाम सौमिल साहू है, जो मध्य प्रदेश के होशंगाबाद का निवासी था। यह घटना मंगलवार की सुबह उस वक्त हुई जब छात्र हॉस्टल से कॉलेज जाने की तैयारी कर रहा था।

जेवरा चौकी पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर लिया है और विवेचना कर रही है।

घटना की जानकारी देते हुए दुर्ग के एडिशनल एसपी सुखनंदन राठौर ने मीडिया को बताया कि सौमिल साहू ने इसी वर्ष जुलाई माह में आईआईटी के इलेक्ट्रिकल ब्रांच में दाखिला लिया था। मंगलवार की सुबह वह रोज की तरह कॉलेज जाने के लिए तैयार हो रहा था। इसी दौरान वह अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा।

हॉस्टल में मौजूद अन्य छात्रों ने तत्काल सौमिल को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ कुछ ही देर बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सुखनंदन राठौर
एडिशनल एसपी दुर्ग

पुलिस के अनुसार,मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। एडिशनल एसपी राठौर ने बताया कि फ्लिहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। रिपोर्ट आने के बाद ही सौमिल साहू की मौत की असली वजह सामने आ पाएगी और आगे की कार्रवाई की जाएगी। फ्लिहाल शव को मरच्चुरी में रखवा दिया गया है। और मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com